INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-198 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शनिवार, 12 सितंबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

मथुरा के पारंपरिक व्यंजन कारोबार को अब मिलेगी नई उड़ान

पेड़ा, लस्सी, माखन और घी कारोबारियों को मिलेगा सहारा

45 लाख की सब्सिडी से नए उद्यमों को मिलेगी रफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज की धार्मिक पहचान के साथ यहां के पारंपरिक खान–पान को भी देश–दुनिया में अलग पहचान हासिल है। मथुरा का पेड़ा हो या ब्रज का माखन, देसी घी, दूध, दही, लस्सी और खोया–इन उत्पादों से हजारों परिवारों की रोजी–रोटी जुड़ी है। अब इन पारंपरिक खाद्य उत्पादों से जुड़े कारोबार को बढ़ावा देने के लिए शासन ने पहल की है। एक जनपद–एक व्यंजन वित्त पोषण सहायता योजना के तहत जिले को 45 लाख रुपये की सब्सिडी राशि आवंटित की गई है। योजना के तहत पारंपरिक व्यंजन एवं खाद्य उत्पादों से जुड़े नए उद्यम स्थापित करने और पुराने कारोबार का विस्तार करने के इच्छुक उद्यमियों को बैंक ऋण पर मार्जिन मनी के रूप में सब्सिडी दी जाएगी। इससे मथुरा के पारंपरिक खाद्य कारोबार को आधुनिक स्वरूप देने, उत्पादन बढ़ाने और बड़े बाजार तक पहुंच बनाने में मदद मिल सकती है। मथुरा में पेड़ा सबसे प्रमुख पारंपरिक खाद्य पहचान है। इसके अलावा दूध, खोया, माखन, दही, देसी घी, लस्सी, रबड़ी और खुरचन जैसे उत्पाद भी ब्रज के खान–पान का हिस्सा हैं। यदि इन उत्पादों को गुणवत्ता, स्वच्छता और आकर्षक पैकेजिंग के साथ बाजार में उतारा जाए तो धार्मिक पर्यटन के साथ खाद्य कारोबार को भी नई गति मिल सकती है।

25 लाख तक ऋण पर 6.25 लाख तक सहायता

जिला उद्योग प्रोत्साहन और उद्यमिता विकास केंद्र को योजना के संचालन की जिम्मेदारी दी गई है। योजना के तहत 25 लाख रुपये तक के ऋण पर परियोजना लागत का 25 प्रतिशत अथवा अधिकतम 6.25 लाख रुपये, जो भी कम हो, सब्सिडी दी जाएगी। 25 से 50 लाख रुपये तक की परियोजनाओं में 6.25 लाख रुपये या परियोजना लागत का 20 प्रतिशत, जो भी अधिक होगा, मार्जिन मनी के रूप में मिलेगा। 50 लाख से 1.50 करोड़ रुपये तक की परियोजनाओं में 10 लाख रुपये अथवा परियोजना लागत का 10 प्रतिशत, जो भी अधिक हो, सहायता मिलेगी। 1.50 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं में परियोजना लागत का 10 प्रतिशत अथवा अधिकतम 50 लाख रुपये, जो भी कम हो, मार्जिन मनी के रूप में दिया जाएगा।

दो साल तक करना होगा सफल संचालन

उपायुक्त उद्योग चंद्रभान सिंह ने बताया कि योजना का लाभ निर्धारित श्रेणी में आने वाले खाद्य उत्पादों से जुड़े उद्यमियों को दिया जाएगा। आवेदन के बाद बैंक ऋण स्वीकृत करेगा और विभाग की ओर से सब्सिडी की राशि बैंक को भेजी जाएगी। लाभार्थी को उद्यम का कम से कम दो वर्ष तक सफल संचालन करना होगा। उन्होंने बताया कि शासन से 45 लाख रुपये की सब्सिडी राशि प्राप्त हो चुकी है। अधिक से अधिक उद्यमियों को योजना से जोड़ने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। योजना के जरिए मथुरा के पारंपरिक खाद्य उत्पादों को ब्रांड पहचान, कारोबारियों को वित्तीय सहारा और स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिलने की उम्मीद है।

बांके बिहारी मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब, गुलजार हुईं गलियां

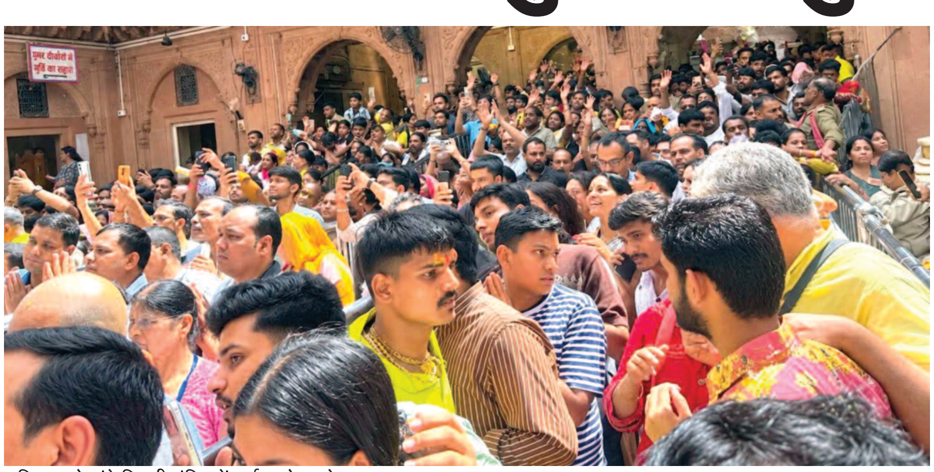
शनिवार को बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन को उमड़े श्रद्धालु।

शनिवार को देशभर से पहुंचे श्रद्धालुओं ने किए ठाकुरजी के दर्शन

मंदिर क्षेत्र में दिनभर रही चहल–पहल, सुरक्षा व्यवस्था रही मुस्तैद

यूनिक समय, वृंदावन। शनिवार को ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही मंदिर के आसपास भक्तों की कतारें लगनी शुरू हो गईं। दिन चढ़ने के साथ श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती गई। देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे भक्तों ने कतारबद्ध होकर ठाकुर बांके बिहारी के दर्शन किए और पूजा–अर्चना कर सुख–समृद्धि की कामना की। मंदिर के आसपास की गलियों और प्रमुख मार्गों पर भी दिनभर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। हाथों में फूल–माला और प्रसाद की टोकरी लिए भक्त 'राधे–राधे' का जयघोष करते हुए मंदिर की ओर बढ़ते नजर आए। भीड़ अधिक होने के कारण कई स्थानों पर श्रद्धालुओं को आगे बढ़ने के लिए कुछ समय इंतजार करना पड़ा। शनिवार के चलते अन्य प्रमुख मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर भी भक्तों की अच्छी खासी भीड़ रही। बांके बिहारी मंदिर के आसपास प्रसाद, फूल–माला और धार्मिक सामग्री की दुकानों पर भी श्रद्धालुओं की चहल–पहल बनी रही। इससे बाजारों में भी रौनक दिखाई दी।

यजमान के फेर में पंडे बिगाड़ रहे व्यवस्था

माह के द्वितीय शनिवार को अवकाश की वजह से मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ काफी थी। गेट पांच से मंदिर तक पहुंचने में श्रद्धालुओं को एक घंटे का समय लगा। इस दौरान भीड़ के बीच यजमानों को दर्शन कराने के लिए मंदिर लेकर आने वाले पंडे व्यवस्था खराब करते रहे। करीब 11 बजे भीड़ के बीच पंडा एक यजमान को लेकर मंदिर पहुंचा, जहां व्यवस्था खराब करने पर गार्ड से कहासुनी हो गई।

नितिन मित्तल ने संभाला बीएसए कॉलेज में चेयरमैन का कार्यभार

बीएसए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में पदभार ग्रहण करने के बाद नवनियुक्त चेयरमैन ई. नितिन मित्तल और वाइस चेयरमैन विशाल बंसल।

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी मथुरा में नए चेयरमैन इंजीनियर नितिन मित्तल ने नवगठित कार्यकारिणी समिति के साथ कॉलेज का कार्यभार संभाला। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में कॉलेज को नई ऊंचाइयों पर ले जाना उनकी प्राथमिकता रहेगी।

नितिन मित्तल ने कहा कि स्वयं इंजीनियर होने के नाते वे तकनीकी शिक्षा की जरूरतों को समझते हैं। उनका उद्देश्य कॉलेज को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देना है। उन्होंने कहा कि नवगठित कार्यकारिणी समिति में भी पद और जिम्मेदारियां तय कर दी गई हैं।

कार्यक्रम में प्रबंध मंडल की उपस्थिति में संस्थान के विकास और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। नितिन मित्तल ने कहा कि नई जिम्मेदारी मिलने के साथ ही वे तकनीकी शिक्षा की बारीकियों, आधुनिक तकनीक की चुनौतियों और विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को गहराई से समझने का प्रयास करेंगे।

उन्होंने बताया कि छात्रों के सर्वांगीण विकास, आधुनिक प्रयोगशालाओं के सुदृढ़ीकरण और उत्कृष्ट कैंपस प्लेसमेंट के अवसर बढ़ाना प्रमुख प्राथमिकताओं में रहेगा।

इस अवसर पर नवगठित कार्यकारिणी समिति के सदस्य प्रमोद कुमार गर्ग, राहुल अग्रवाल (शोरेवाले), इंजी. अद्वैत गोयल, विमल अग्रवाल, उमंग मित्तल, उमेश कुमार अग्रवाल एवं माधव अग्रवाल उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने एकजुट होकर बीएसए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की शैक्षणिक एवं संस्थागत साख को और मजबूत करने तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराने का संकल्प लिया।

संस्थान की साख मजबूत करने, विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का संकल्प

कार्यक्रम में बीएसए इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक प्रो. श्याम सुन्दर अग्रवाल, एडमिनिस्ट्रेटिव एडवाइजर भगवान सिंह, फार्मेसी निदेशक प्रो. डॉ. राकेश कुमार एवं डीन (अकादमिक) प्रो. लोकेन्द्र शर्मा ने नवनिर्वाचित चेयरमैन ई. नितिन मित्तल, वाइस चेयरमैन विशाल बंसल और कार्यकारिणी के सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने नए प्रबंध मंडल को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संस्थान शिक्षा, तकनीकी नवाचार, अनुसंधान और विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल करेगा।

राधाष्टमी पर बरसाना में सुरक्षा का चक्रव्यूह तैयार

यूनिक समय, बरसाना। राधाष्टमी पर्व को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। नगर पंचायत बरसाना स्थित लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन सभागार में डीएम चंद्र प्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में मंदिर और मेला क्षेत्र की सुरक्षा, श्रद्धालुओं की सुविधा और यातायात व्यवस्था को लेकर अधिकारियों ने मंथन किया। इसके बाद दोनों अधिकारियों ने संपूर्ण मेला क्षेत्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

एसएसपी ने बताया कि राधाष्टमी पर देश–विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु बरसाना पहुंचते हैं। उनकी सुरक्षा और सुगम दर्शन के लिए मंदिर सहित पूरे मेला क्षेत्र को सात जोन और 30 सेक्टरों में बांटकर सुरक्षा व्यवस्था लागू की जाएगी। प्रत्येक क्षेत्र में पुलिस बल की तैनाती के साथ पीएसी भी मुस्तैद रहेगी।

बरसाना में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते डीएम सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार आदि।

मंदिर में प्रवेश और निकास व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक स्थानों पर बैरियर लगाए जाएंगे। बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थलों पर खड़ा कराया जाएगा, ताकि मेला क्षेत्र में यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो।

डीएम और एसएसपी ने राधाष्टमी को किए जा रहे इंतजाम देखे

निरीक्षण के दौरान मंदिर के सेवायतों और स्थानीय लोगों से भी व्यवस्थाओं को लेकर सुझाव लिए गए। एसएसपी ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा प्रशासन की प्राथमिकता है तथा किसी को परेशानी न हो, इसके लिए सभी जरूरी इंतजाम किए जा रहे हैं।

विशेषज्ञों की कमी से बीमार पड़ा सौ सैय्या अस्पताल

यूनिक समय, वृंदावन। बसपा शासन में स्थापित सौ सैय्या अस्पताल की 100 बेड की सुविधा होने के बावजूद विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी से जूझ रहा है। अस्पताल में रोजाना बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं, लेकिन जरूरी विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध नहीं होने के कारण कई मरीजों को यहां से अपेक्षित इलाज नहीं मिल पा रहा है। गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों के लिए यह कमी और अधिक परेशानी का कारण बन रहा है।

फिजीशियन, सर्जन और रेडियोलॉजिस्ट समेत कई विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं

जांच से इलाज तक के लिए दूसरे अस्पतालों की दौड़, बढ़ रहा आर्थिक बोझ

अस्पताल में फिजीशियन, सर्जन, त्वचा रोग विशेषज्ञ, रेडियोलॉजिस्ट, चेस्ट फिजीशियन और बाल रोग विशेषज्ञ जैसे महत्वपूर्ण चिकित्सकों की कमी है।

विशेषज्ञ न होने का असर केवल इलाज पर ही नहीं, बल्कि मरीजों की जांच और बीमारी की सही पहचान पर भी पड़ रहा है। रेडियोलॉजिस्ट की उपलब्धता न होने पर संबंधित जांचों के लिए मरीजों को बाहर जाना पड़ता है, जबकि सर्जन और अन्य विशेषज्ञों की जरूरत वाले मामलों में दूसरे अस्पतालों का सहारा लेना पड़ता है।

इसका सबसे अधिक असर आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों पर पड़ता है। अस्पताल में इलाज की उम्मीद लेकर आने वाले मरीजों को बाहर जांच कराने, निजी अस्पताल में चिकित्सकीय सलाह लेने अथवा दूसरे सरकारी अस्पताल तक जाने में अतिरिक्त समय और पैसा खर्च करना पड़ता है। गंभीर मरीजों के साथ आने वाले तीमारदारों को भी बार–बार अस्पताल बदलने की परेशानी झेलनी पड़ती है।

विशेषज्ञों की कमी के कारण सामान्य चिकित्सकों पर मरीजों का दबाव बढ़ रहा है। ओपीडी में भीड़ बढ़ने से मरीजों को अपनी बारी के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। वहीं जटिल मामलों में विशेषज्ञ सलाह जरूरी होने पर मरीजों को रेफर करने की स्थिति बनती है। इससे 100 बेड वाले अस्पताल की उपयोगिता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

धार्मिक नगरी में स्वास्थ्य सेवाओं की बड़ी जरूरत

वृंदावन में स्थानीय आबादी के अलावा देश–विदेश से श्रद्धालुओं का लगातार आवागमन रहता है। ऐसे में अस्पताल में सभी प्रमुख विशेषज्ञों की उपलब्धता जरूरी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि भवन, बेड और अन्य संसाधन होने के बावजूद यदि विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं हैं तो मरीजों को सुविधाओं का पूरा लाभ नहीं मिल सकता। लोगों ने स्वास्थ्य विभाग से रिक्त पदों को तत्काल भरने और अस्पताल में विशेषज्ञ सेवाएं शुरू कराने की मांग की है।

270 सोलर स्ट्रीट लाइटों से रोशन होगा मथुरा

सोलर स्ट्रील लाइटों का उद्घाटन करतीं सांसद हेमा मालिनी, साथ में रिफाइनरी के कार्यकारी निदेशक मुकुल अग्रवाल और अन्य अधिकारी

सांसद हेमा मालिनी ने किया उद्घाटन, इंडियन ऑयल मथुरा रिफाइनरी की सीएसआर पहल

यूनिक समय, मथुरा। इंडियनऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड मथुरा रिफाइनरी की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत जनपद के विभिन्न स्थानों पर स्थापित 270 सोलर स्ट्रीट लाइटों का उद्घाटन सांसद हेमा मालिनी ने किया। सांसद हेमा मालिनी ने इंडियन ऑयल मथुरा रिफाइनरी द्वारा क्षेत्र के विकास और जनकल्याण के लिए किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा के उपयोग से पारंपरिक विद्युत ऊर्जा पर निर्भरता कम होगी, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा मिलेगा।

मथुरा रिफाइनरी के कार्यकारी निदेशक- रिफाइनरी प्रमुख मुकुल अग्रवाल ने कहा कि इंडियन ऑयल अपने व्यावसायिक दायित्वों के साथ सामाजिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन के लिए भी प्रतिबद्ध है। सीएसआर के माध्यम से मथुरा और आसपास के क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, कौशल विकास, महिला एवं बाल विकास, सामुदायिक सुविधाओं के क्षेत्र में विभिन्न जनकल्याणकारी कार्य किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में अनिल कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन),अभिनव गोस्वामी, महाप्रबंधक (कर्मचारी सेवाएं),विवेक शर्मा वरिष्ठ प्रबंधक (सीसी-सीएसआर) और दीपक कुमार साह उपस्थित रहे।

स्वामी हरिदास आविर्भाव महोत्सव कल से, निकलेगी शोभायात्रा

यूनिक समय, वृंदावन। परिक्रमा मार्ग स्थित राधा प्रसाद धाम गोपाल खार पर कल से 19 सितंबर तक 546वां स्वामी हरिदास आविर्भाव महोत्सव आयोजित होगा। महोत्सव के प्रमुख संतों में स्वामी राधाप्रसाद देव और महंत मोहिनी बिहारी शरण शामिल हैं। कल स्वामी महाराज का महाभिषेक, शोभायात्रा, भजन संध्या और संत सेवा–भंडारे का आयोजन होगा। 14 सितंबर को ध्रुपद धमार-संगीत समारोह होगा। 15 को भजन गायन और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। 16 को 546 कमलों से पुष्पार्चन कर यमुना महारानी की महाआरती बनारस के कलाकारों द्वारा की जाएगी। 17 को कवि सम्मेलन, वीरांगनाओं का सम्मान, कन्या संरक्षण और महिला सशक्तीकरण जैसे कार्यक्रम होंगे। 18 सितंबर को विद्वत संगोष्ठी, ग्रंथ विमोचन और भजन संध्या होगी। 19 सितंबर को विशाल भंडारे के साथ संत–महंत, महामंडलेश्वर- जरूरतमंदों की सेवा और प्रसादी वितरण किया जाएगा।

बेटी के लापता होने पर दो युवकों के खिलाफ मुकदमा

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली थाना क्षेत्र के शास्त्री नगर निवासी एक व्यक्ति ने अपनी 20 वर्षीय पुत्री के लापता होने के संबंध में दो युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, बेटी दो सितंबर को तड़के करीब 3:15 बजे रवि गौड़ और रूपम चौधरी के साथ चली गई। पिता का आरोप है कि दोनों युवक बहला–फुसलाकर उसकी पुत्री को अपने साथ ले गए। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन प्रगति का कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने रवि गौड़ और रूपम चौधरी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

अब बिना केवाईसी नहीं मिल पाएगा सोना

शुद्धता, पारदर्शिता और भरोसे की नई पहचान बना कृधा गोल्ड

मथुरा। सर्राफा बाजार में जहां ग्राहकों के लिए सोने की शुद्धता, सही कीमत और पारदर्शी बिलिंग सबसे महत्वपूर्ण विषय हैं, वहीं कृधा गोल्ड - प्रतिष्ठान ने ग्राहकों के विश्वास को अपनी प्राथमिकता बनाया है। शोरूम प्रबंधक के अनुसार, यहां आभूषणों की बिक्री में गुणवत्ता, पारदर्शिता और सरकारी मानकों का विशेष ध्यान रखा जाता है।

शोरूम स्वामी पीयूष गोयल का कहना है कि यहां 100 प्रतिशत बिलिंग के साथ 3% जीएसटी लिया जाता है और बिना जीएसटी के कोई भी आभूषण उपलब्ध नहीं कराया जाता।

ग्राहकों के लिए मूल्य निर्धारण में भी पारदर्शिता रखने का प्रयास किया गया है।

प्रबंधक के अनुसार, निर्धारित दरों पर ही आभूषण उपलब्ध कराए जाते हैं तथा किसी के कहने पर या मनमाने रूप से 500 अथवा 1000 रुपये जैसी छूट की व्यवस्था नहीं है। इससे ग्राहकों में भेद-भाव नहीं होता है और कृधा गोल्ड एक समानता पर भरोसा रखता है ।

सोने की शुद्धता को लेकर भी कृधा गोल्ड विशेष सावधानी बरतने का दावा करता है। यहां उपलब्ध सोने के आभूषणों में 6 डिजिट HUID (हॉलमार्क विशिष्ट पहचान) की व्यवस्था को प्राथमिकता दी जाती है। एचयूआईडी के माध्यम से हॉलमार्क वाले आभूषण की पहचान और उसकी प्रमाणिकता को लेकर ग्राहकों का विश्वास मजबूत होता है।

सभी सोने के आभूषणों की एचयूआईडी को मोबाइल ऐप के माध्यम से 'BIS केयर ऐप' पर स्कैन कराकर ग्राहकों को आभूषण की शुद्धता और प्रमाणिकता के प्रति पूरी तरह संतुष्ट किया जाता है। शोरूम प्रबंधक के अनुसार, कृधा गोल्ड में केवल 22 कैरेट सोने के आभूषण उपलब्ध कराए जाते हैं। 20 कैरेट सोने के आभूषणों की बिक्री नहीं की जाती, विशेष अनुरोध होने पर भी नहीं। इसका उद्देश्य ग्राहकों को एक निश्चित गुणवत्ता और शुद्धता के मानक के साथ आभूषण उपलब्ध कराना है।

 # कृधा गोल्ड = 22 कैरेट

वित्तीय लेन–देन में भी केवाईसी नियमों का पालन किया जाता है। प्रबंधक के अनुसार, 50 हजार रुपये से अधिक के लेन–देन अथवा ऑनलाइन भुगतान के लिए आधार संबंधी केवाईसी प्रक्रिया आवश्यक है, जबकि 2 लाख रुपये से अधिक के लेन–देन पर पैन कार्ड की आवश्यकता होती है। ₹1,99,000 से ज्यादा का भुगतान, एक बिल, पर नकद में करना/ लेना मान्य नहीं है।

हॉलमार्क, एचयूआईडी और 22 कैरेट शुद्ध सोने के आभूषणों के साथ ग्राहकों को दे रहा विश्वासपूर्ण खरीदारी का अनुभव

कृधा गोल्ड ग्राहकों के लिए सोने के आभूषणों के साथ MMTC के ऑफिशियल (अधिकृत) डीलर भी हैं, जो 999.9+ शुद्धता वाले गोल्ड बार / सिक्कों के विक्रेता हैं।

शोरूम का उद्देश्य केवल आभूषण बेचना नहीं, बल्कि ग्राहकों के साथ विश्वास और पारदर्शिता का एक मजबूत रिश्ता स्थापित करना है। कृधा गोल्ड - स्थानः होलीगेट के बाहर, मुकुंद कॉम्प्लेक्स के पास, मथुरा। मो. 9557807485

Kridha Gold परिवार की ओर से अपने सभी सम्मानित ग्राहकों का हार्दिक धन्यवाद।

हमें खुशी है कि हर साल सोने के बढ़ते भाव के साथ–साथ Kridha Gold पर विश्वास रखने वाले हमारे ग्राहकों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है।

आपका यही प्यार और विश्वास हमें हर दिन बेहतर करने की प्रेरणा देता है। इस विश्वास को इसी तरह बनाए रखें।

A Media Solutions initiative

जिले में पहली बार मीठे पानी में सीप पालन की पहल हुई शुरू

यूनिक समय, मथुरा। जिले में मत्स्य विभाग ने मीठे पानी में सीप पालन की नई पहल शुरू की है। राज्य सरकार की राज्य स्तरीय शीप योजना के तहत जिले में पहली बार सीप पालन के लिए तालाब तैयार किए जाएंगे। योजना में जिले से दो आवेदन मत्स्य विभाग को प्राप्त हुए थे। इनमें से एक आवेदन स्वीकृत हो गया है, जबकि दूसरे आवेदन के कागजात पूरे नहीं होने के कारण उसे निरस्त कर दिया गया।

मत्स्य विभाग की सहायक निदेशक आकांक्षा ने बताया कि राज्य स्तरीय सीप योजना को तीन श्रेणियों में लागू किया गया है। इसके तहत अलग–अलग क्षेत्रफल के तालाब में निर्धारित संख्या में शीप पालन किया जाएगा।

राज्य स्तरीय सीप योजना में जिले से दो आवेदन

एक स्वीकृत और एक अधूरे कागजों के कारण निरस्त

पहली श्रेणी में 440 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में दो हजार सीप रखने का प्रावधान है। दूसरी श्रेणी में आधा एकड़ से एक एकड़ तक क्षेत्रफल में पांच हजार सीप रखी जाएंगी। वहीं तीसरी श्रेणी में एक एकड़ या उससे अधिक क्षेत्रफल में 15 हजार सीप पालन किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि इस योजना से मीठे पानी में सीप पालन को बढ़ावा देना और मत्स्य पालन से जुड़े लोगों के लिए आय के नए अवसर तैयार किए है। जिले में पहली बार इस तरह की योजना शुरू होने से जिले में सीप पालन के क्षेत्र में नई संभावनाएं खुलेंगी। उन्होंने बताया कि स्वीकृत आवेदन के तहत जिले में पालन के लिए तालाब विकसित किया जाएगा। विभाग की ओर से योजना के संचालन और निर्धारित मानकों के अनुसार पालन को लेकर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जा रही है। सहायक निदेशक ने कहा कि जिले में यह योजना सफल रहती है तो आने वाले समय में अन्य लोग भी मीठे पानी में सीप पालन के लिए आगे आ सकते हैं।

राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने वाद की जानकारी करते वादकारी।

सेल्फी पांइट में फोटो खिचवाते जिला जज विकास कुमार।

लोक अदालत में समझौते से मामलों के निस्तारण पर जोर

शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का दीप जलाकर शुभारंभ करते जिला जज विकास कुमार आदि।

राष्ट्रीय लोक अदालत में वाद निस्तारण को लगाए गए स्टाल में बैठे एचडीएफसी बैंक के कर्मचारी।

जिला जज विकास कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया शुभारंभ

बैंक, बिजली और वित्त कंपनियों के पंडालों में जुटे फरियादी

यूनिक समय, मथुरा। जिला न्यायालय परिसर स्थित सभागार में शनिवार को तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ जिला जज विकास कुमार ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि लोक अदालत में आपसी समझौते और सुलह के आधार पर दोनों पक्षों को आमने–सामने बैठाकर मामलों का समाधान कराया जाता है।

लोक अदालत के निर्णय की अपील नहीं होती, जिससे विवादों का स्थायी समाधान होने के साथ आपसी सौहार्द भी बना रहता है।

जिला जज ने बैंक अधिकारियों से कहा कि ऋण संबंधी मामलों में संभव हो तो मूल धनराशि लेकर भी समझौते के आधार पर प्रकरणों का निस्तारण किया जाए।

उन्होंने बताया कि जिले से करीब 3.5 लाख मामले चुने गए हैं। इनमें आपराधिक और समझौते योग्य मामले, सिविल केस, उपभोक्ता विवाद, पारिवारिक और वैवाहिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावे, राजस्व मामले, बैंक रिकवरी और यातायात चालान शामिल किए गए हैं।

जिला जज ने बताया कि इस बार चालानों के निस्तारण और भुगतान के लिए पेमेंट सेतु ऐप की डिजिटल व्यवस्था का इस्तेमाल किया जा रहा है। राजस्व विभाग के अधिकारी भी अपने स्तर पर संबंधित मामलों का निस्तारण कर रहे हैं।

कार्यक्रम में अधिवक्ता केसी गौड़ ने लोक अदालत पर कविता प्रस्तुत की। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अनीता सिंह ने भी विचार रखे। लोक अदालत परिसर में बैंक, वित्त कंपनियों, बिजली और अन्य विभागों के लिए अलग–अलग पंडाल लगाए गए थे। यहां मामलों के निस्तारण के लिए लोगों की भीड़ रही। कई मामलों में अधिकारियों द्वारा सीमित छूट दिए जाने के कारण समझौता नहीं हो सका।

बंदियों की स्टाल बनी आकर्षण का केंद्र

राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान कारागार के बंदियों द्वारा बनाए गए तौलिया, गमछा, लड्डू गोपाल की पोशाक समेत अन्य सामान की स्टाल भी आकर्षण का केंद्र रही। लोगों ने यहां खरीदारी की। लोक अदालत के सेल्फी प्वाइंट पर भी लोगों में फोटो खिंचवाने की होड़ रही।

वादकारियों की बात

यूनिक समय,मथुरा। राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने मामलों को सुलह समझौते से निपटाने के लिए आने वाले लोगों में कई लोगों ने वहां मौजूद अधिकरियों पर फैसले में ठीक से राहत न देने का आरोप लगाया। बैंक लोन और फाइनेंस कंपनियों पर मामले के निस्तारण में सहूलियत बहुत कम दिए जाने की बात कही।

जमनामता गोवर्धन के रहने वाले दिव्यांग ज्ञान सिंह ने बताया कि उसने पंजाब नेशनल बैंक से 2007 में चार लाख रुपये का लोन लिया था। धीरे–धीरे करके बैंक को पांच लाख रुपये जमा करा चुका है। इसके बाद भी अब उससे एक लाख रुपये और मांगे जा रहे हैं। लोक अदालत में आने के बाद उसे कुछ लाभ नहीं मिला।

बल्देव के गांव ईटोली मौजा धर्मपुरा की रहने वाली विधवा- दिव्यांग महिला सावित्री देवी का कहना है कि पंजाब नेशनल बैंक से लोन लिया था। उसका एक सेविंग का खाता भी इस बैंक में है। बैंक खाते से पैसे भी कटते रहे, लेकिन बैंक खाते में उसका लॉन 86 हजार बकाया बताया जा रहा है। वह घरों में झाड़ू पौंछा करके गुजार करती है। इतनी बड़ी रकम कैसे चुकेगी।

नगला भल्ला, बल्देव के रहने वाले साहब सिंह ने बताया कि उसने केनरा बैंक से पचास हजार रुपये का लोन लिया था। बैंक में किस्तों के रुप में पचास हजार भर चुका है, इसके बावजूद बैंक ने उस पर 60 हजार रुपये बकाया निकाल दिए गए हैं।

फरह के गांव पींगरी के मोहन सिंह ने बताया कि एसबीआई से उसने 2019 में 1.49 लाख रुपये का लोन लिया था। बैंक में 70 हजार रुपये भर चुका है। उस पर दो लाख 19 हजार 392 रुपये बैंक ने निकाल दिए हैं। बैंक को वह एक लाख रुपये देने के लिए तैयार है,लेकिन बैंक मान नही रही है।

आईएमए की आजीवन सदस्यता मिलने पर डॉ. सिद्धार्थ धनगर सम्मानित

यूनिक समय, मथुरा। आईएमए की ओर से जिला चिकित्सालय में नियुक्त डॉ.सिद्धार्थ धनगर को आजीवन सदस्यता दी गई। उन्होंने इसे अपने लिए गर्व और सम्मान का क्षण बताया। डॉ. सिद्धार्थ धनगर ने कहा कि इस सम्मान से उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में और बेहतर काम करने की प्रेरणा मिली है। चिकित्सा सेवाओं को और बेहतर बनाने के साथ ही जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना प्राथमिकता रहेगी।

ट्रक की टक्कर से युवक की मौत, चालक फरार

यूनिक समय, बरसाना। करहला रोड नाला की पट्टी चौकी क्षेत्र में गुरुवार सुबह सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत हो गई। मामले में मृतक के भाई लेखराज निवासी करहला रोड बरसाना देहात ने पुलिस को तहरीर दी है। तहरीर के अनुसार 10 सितंबर की सुबह करीब सात बजे उनका भाई संजय मोटरसाइकिल से बरसाना जा रहा था। करहला रोड नाला की पट्टी सड़क पर फोन आने पर उसने मोटरसाइकिल सड़क किनारे कच्चे में खड़ी कर फोन देखना शुरू किया। इसी दौरान राधाबिहारी इंटर कॉलेज की ओर से आ रहे ट्रक के चालक ने तेज और लापरवाही से वाहन चलाते हुए सड़क किनारे खड़े संजय को टक्कर मार दी। हादसे में संजय की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

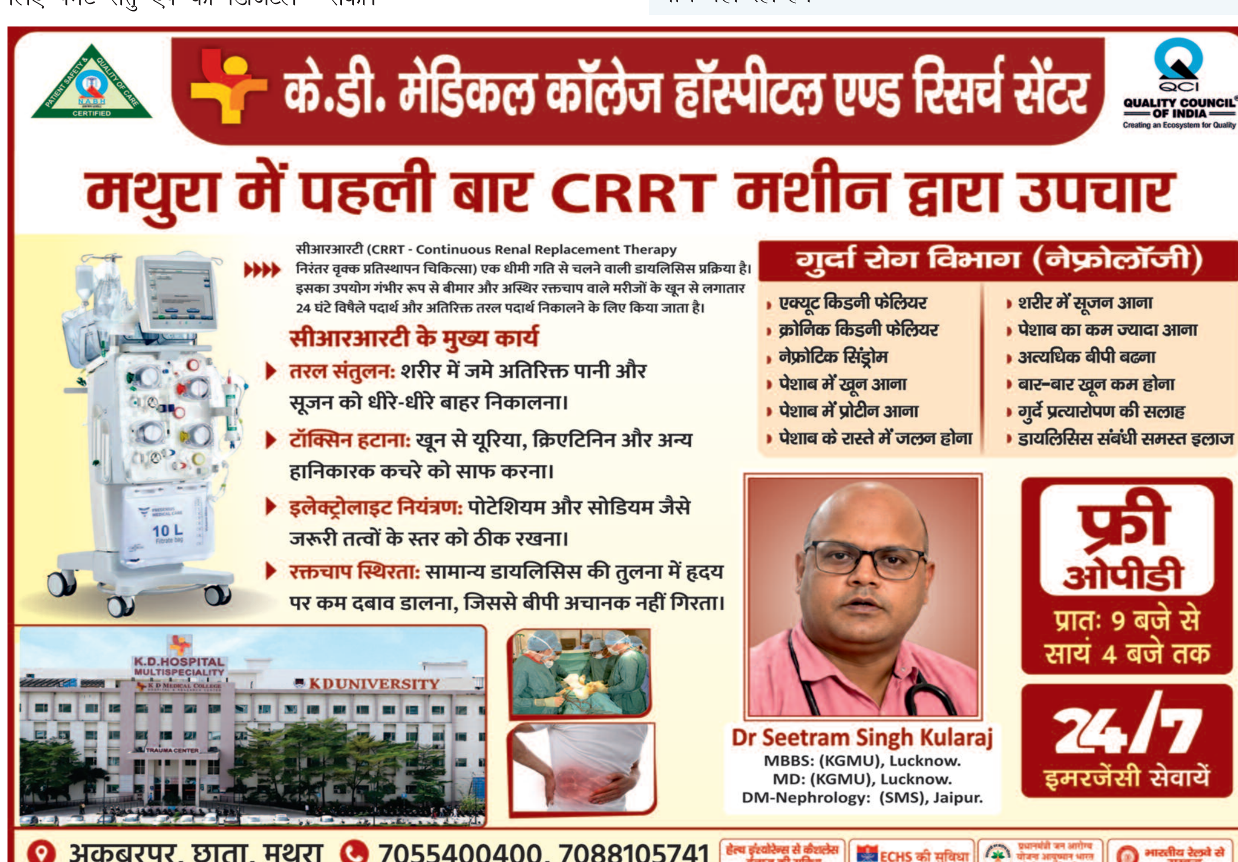

वसुंधरा का संवरेगा सौंदर्य, कृष्णकालीन वनों का लौटेगा पुराना स्वरूप

प्रभागीय निदेशक वेंकट श्रीकर पटेल।

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज की धरती पर कृष्णकाल से जुड़े माने जाने वाले वनों की हरियाली और प्राकृतिक स्वरूप को फिर से विकसित करने की दिशा में वन विभाग ने कदम तेज कर दिए हैं। वर्ष 2026 के वर्षाकाल में वन विभाग समेत विभिन्न सरकारी विभागों ने जनपद में करीब 33 लाख पौधों का रोपण किया है। इनमें वन विभाग ने 4.52 लाख, जबकि अन्य विभागों ने करीब 29 लाख पौधे लगाए हैं। अब पौधारोपण को केवल आंकड़ों तक सीमित न रखकर इन्हें विकसित और संरक्षित करने पर जोर दिया जा रहा है।

मथुरा-वृंदावन ताज ट्रेपेजियम जोन

(टीटीजेड) का हिस्सा है। इस क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण, पेड़ों की सुरक्षा और प्रतिपूरक पौधारोपण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न निर्देश रहे हैं। इसी न्यायिक पृष्ठभूमि में हरित क्षेत्र बढ़ाने और पर्यावरणीय संतुलन कायम रखने के प्रयास किए जा रहे हैं।

वहीं, मथुरा में इसी व्यापक हरित संरक्षण अभियान के साथ कृष्णकालीन पौराणिक वनों के प्राकृतिक स्वरूप को विकसित करने की योजना पर भी काम हो रहा है।

50 हेक्टेयर में चौड़ी पत्ती वाले पौधों से तैयार होंगे प्राकृतिक वन क्षेत्र

छह स्थलों पर हरियाली बढ़ाने के साथ पक्षियों को मिलेगा प्राकृतिक आहार

प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी वेंकट श्रीकर पटेल ने बताया कि इस वर्ष छह स्थलों पर करीब 50 हेक्टेयर क्षेत्र में चौड़ी पत्ती वाले पौधों का रोपण कराया गया है। इन प्रजातियों को इसलिए प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि आने वाले वर्षों में यहां घना प्राकृतिक वन तैयार हो और पक्षियों, छोटे वन्यजीवों को भोजन और आश्रय मिल सके। पेड़ों पर फल आने के बाद पक्षी उन्हें खाएंगे और उनके बीज ड्रॉपिंग के माध्यम से दूसरे क्षेत्रों तक पहुंचेंगे। इससे नए पौधों का प्राकृतिक रूप से अंकुरण होगा और कृत्रिम पौधारोपण के साथ प्राकृतिक वन पुनर्जीवन की प्रक्रिया भी आगे बढ़ेगी।

जियो-टैगिंग से होगी पौधों की निगरानी

रोपे गए पौधों की जियो-टैगिंग के साथ उनके संरक्षण और देखभाल की व्यवस्था की जा रही है। वन विभाग का लक्ष्य आने वाले वर्षों में मथुरा का हरित क्षेत्र बढ़ाने के साथ उन प्राचीन वन क्षेत्रों की पारिस्थितिकी को पुनर्जीवित करना है, जिनका धार्मिक और सांस्कृतिक संबंध कृष्णकाल से जुड़ा माना जाता है। अधिकारियों के अनुसार, नियमित निगरानी, सिंचाई और सुरक्षा के जरिए पौधों को जीवित रखते हुए ब्रज की कृष्णकालीन वन विरासत के प्राकृतिक स्वरूप को विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस बार वन विभाग ने ऐसे पौधे रोपित किए हैं, जिनको जानवर नहीं खाएं।

जुर्माने की धनराशि से भी बढ़ेगा हरित क्षेत्र

प्रभागीय निदेशक के अनुसार, वृंदावन के डालमिया बाग पर्यावरणीय क्षति के मामलों में जमा जुर्माने की धनराशि का उपयोग भी हरित क्षेत्र विकसित करने में किया जा रहा है। बीएसएफ परिसर में 12 हेक्टेयर और फरह के केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान में करीब 85 हेक्टेयर क्षेत्र में चौड़ी पत्ती वाले पौधों का रोपण कराया जा रहा है। इन क्षेत्रों को भविष्य में अधिक जैव विविधता वाले हरित क्षेत्र के रूप में विकसित करने की योजना है।

यमुना में सूनी खड़ी नावें, नाविकों की रोजी-रोटी पर बना संकट

यूनिक समय, वृंदावन। यमुना की लहरों पर कभी श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सैर कराने वाली नावें इन दिनों खुद ही किनारे बैठकर आराम फरमा रही हैं। घाटों पर नावों की कतार देखकर लगता है कि नौका विहार का मौसम है, लेकिन हकीकत यह है कि नावें पानी में कम और घाट पर ज्यादा नजर आ रही हैं। नाविकों की हालत ऐसी है कि नाव चलाने के बजाय अब यात्रियों का इंतजार ही उनकी दिनचर्या बन गया है।

वृंदावन के घाटों पर यमुना में नौका विहार श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा है। लोग नाव पर बैठकर यमुना की लहरों के बीच घाटों और धार्मिक स्थलों का नजारा लेते रहे हैं। मगर फिलहाल नावों का संचालन बेहद कम होने से घाटों की रौनक भी फीकी नजर आ रही है।

वृंदावन के कालीदह घाट के समीप यमुना में खड़ी नाव।

नाविकों का कहना है कि पहले श्रद्धालुओं की भीड़ के साथ नावें लगातार चलती थीं और दिनभर की आमदनी से परिवार का खर्च निकल जाता था। अब स्थिति यह है कि नाव तैयार खड़ी है, चप्पू तैयार है और नाविक भी तैयार हैं, बस सवारी का पता नहीं। यानी नाविकों की नाव तो यमुना किनारे है, लेकिन रोजी-रोटी की नैया बीच भंवर में फंस गई है।

घंटों घाट पर बैठने के बाद भी जब यात्री नहीं मिलते तो नाविक मायूस होकर घर लौट जाते हैं। उनका कहना है कि यमुना से जुड़े सैकड़ों परिवारों की

घाटों पर सवारी का इंतजार कर रहे नाविक खाली काट रहे दिन

किनारे पर आराम फरमा रहीं नावें परिवारों की चिंता बढ़ी

आजीविका नौका संचालन पर निर्भर है। काम ठप होने से आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। नाविकों ने प्रशासन से नाव संचालन को लेकर स्थिति स्पष्ट करने और जल्द व्यवस्था सामान्य कराने की मांग की है। उनका कहना है कि व्यवस्था पटरी पर लौटे, ताकि नावें भी चलें और घरों के चूल्हे भी जलते रहें।

सांसद निधि से कब होंगे रोशन, अंत्योदय के मोहल्ले

यूनिक समय, मथुरा। जिले में हर घर तक रोशनी पहुंचाने के दावे के बीच बिजली व्यवस्था की जमीनी तस्वीर अलग नजर आ रही है। अंत्योदय परिवारों के कुछ क्षेत्रों में उजाला है तो कुछ परिवार आज भी अंधेरे से जूझ रहे हैं। वहीं धनाढ्य परिवारों के मोहल्लों में बिजली का उजाला है। ऐसे में लोगों के बीच सवाल उठ रहा है कि सांसद निधि से अंत्योदय परिवारों के घर आखिर कब रोशन होंगे। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बिजली किसी सुविधा से कम नहीं है। घर में रोशनी न होने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है और रात में जरूरी काम करना भी मुश्किल हो जाता है। कई परिवारों को घर रोशन करने के लिए दूसरे साधनों का सहारा लेना पड़ता है। जिले के गांवों और कस्बों में बिजली व्यवस्था की स्थिति एक जैसी नहीं है। कहीं आपूर्ति ठीक है तो कहीं बार-बार बिजली कटौती लोगों की

अंत्योदय परिवारों में कहीं उजाला तो कहीं अंधेरा, धनाढ्य क्षेत्रों के घरों में उजाला

परेशानी बढ़ा रही है। सांसद निधि से जरूरतमंद परिवारों के घरों तक रोशनी पहुंचाने की पहल से लोगों को उम्मीद जगी है। अब जरूरत इस बात की है कि योजना का लाभ वास्तव में उन परिवारों तक पहुंचे, जिन्हें इसकी सबसे अधिक जरूरत है। लोगों का कहना है कि विकास की असली तस्वीर तभी सामने आएगी, जब किसी गरीब परिवार का घर अंधेरे में न रहे। सांसद निधि से होने वाली पहल धरातल पर उतरती है तो कई अंत्योदय परिवारों के जीवन में रोशनी आ सकती है। जिले के अब लोगों को इंतजार है कि सांसद निधि की यह रोशनी कागजों से निकलकर जरूरतमंदों के घरों तक कब पहुंचेगी।

ऑटो में आग लगाने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली क्षेत्र के जनकपुरी में घर के सामने खड़े सीएनजी ऑटो में आग लगाए जाने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने दलवीर सिंह निवासी जनकपुरी, गंगा गार्डन के सामने, बीएसए रोड की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया है।

पीड़ित के अनुसार, 11 सितंबर की रात करीब 2:43 बजे उसका सीएनजी ऑटो घर के सामने खड़ा था। इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने ऑटो में आग लगा दी। शिकायतकर्ता ने बताया कि भरतपुर निवासी दिनेश नामक युवक से उनकी बेटी के संबंध को लेकर विवाद चल रहा है। आरोप है कि कुछ दिन पहले दिनेश ने उन्हें और उनके बेटे को जान से मारने की धमकी दी थी। इसी आधार पर शिकायतकर्ता ने ऑटो में आग लगाने की आशंका दिनेश पर जताई है। घटना से संबंधित सीसीटीवी वीडियो होने की बात भी तहरीर में कही गई है।

मंदिर विवाद में महिला ने दर्ज कराया मुकदमा

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली थाने में ओमनगर चामुंडा कॉलोनी निवासी रश्मि चतुर्वेदी ने विजय चतुर्वेदी उर्फ रंगा निवासी महोली की पौर और उसकी पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। रश्मि चतुर्वेदी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि तीन सितंबर की शाम करीब 8:15 बजे वह नए बाजार स्थित संत विहारी मंदिर में आरती-पूजन कर रही थीं। उनके पति महेश चतुर्वेदी मंदिर में पुजारी हैं। आरोप है कि विजय चतुर्वेदी वहां पहुंचा और मंदिर खाली करने को कहा। विरोध करने पर गाली-गलौज की और मंदिर के बाहर खड़ी उनकी स्कूटी क्षतिग्रस्त कर दी। पीड़िता ने पूर्व में भी मारपीट की शिकायत किए जाने की बात कही है। तहरीर में आरोप लगाया गया कि 10 सितंबर को मंदिर के किरायेदार शुभम पीतलिया के साथ भी विजय चतुर्वेदी और उसकी पत्नी ने मारपीट की, जबरन किराया मांगते हुए दुकान में आग लगाने की धमकी दी।

15 साल पहले पति को छोड़ गई पत्नी की हुई मौत

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन के गोरी गोपाल आश्रम में एक महिला की मृत्यु हो गई। पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बताया गया कि महिला मंजू (45) पत्नी राम निवासी पिलोर राजस्थान पति को छोड़कर घर से प्रेमी के साथ चली गई थी।15 दिन बाद उसे घर इस शर्त पर लाया गया कि वह फिर नहीं जाएगी। इसके बाद भी वह प्रेमी के साथ भाग गई। प्रेमी ने भी उसे छोड़ दिया। आठ दिन पहले बीमार हालत में वह अपने पुष्कर में रहने वाले देवर के घर पहुंच गई। परिवार के लोगों ने उसके आने पर ऐतराज किया, लेकिन देवर और परिवार के कुछ लोगों ने उसकी हालत को देखते हुए मथुरा कार से लाकर गोरी गोपाल आश्रम में छोड़ दिया। कल महिला मंजू की मृत्यु हो गई। देवर को फोन कर बताया गया। इस पर मंजू का पति देवर सहित कुछ अन्य लोग उसका अंतिम संस्कार करने के लिए आ गए।

रात में भी महिला अस्पताल में चौकस रहती है स्वास्थ्य व्यवस्था

यूनिक समय, मथुरा। जिला महिला चिकित्सालय में भर्ती महिला और बच्चों की रात के समय भी दिन जैसी देखभाल की व्यवस्था है। अस्पताल में रात्रि ड्यूटी के तहत डॉक्टरों के साथ आया, सफाईकर्मी और सुरक्षा गार्ड तैनात रहते हैं। वहीं अस्पताल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी गतिविधियों पर नजर रखी जाती है। कैमरों की रिकॉर्डिंग मुख्यालय स्तर से देखे जाने का दावा अस्पताल प्रशासन ने किया है।

जिला महिला चिकित्सालय के सीएमएस डॉ. अनिल कुमार पूर्वानी ने बताया कि रात में दो डॉक्टरों की ड्यूटी लगाई जाती है। इनमें एक डॉक्टर महिला

वार्ड और दूसरा बच्चों के वार्ड में तैनात रहता है। बच्चों के वार्ड में दो आया, जबकि महिला वार्ड में तीन आया की ड्यूटी रहती है। इसके अलावा बच्चों के वार्ड में दो सफाईकर्मी और अस्पताल की सुरक्षा के लिए तीन गार्ड रात में तैनात रहते हैं।

दो डॉक्टर, पांच आया और तीन गार्ड मुस्तैद

सीसीटीवी कैमरों से मुख्यालय रखता है हर गतिविधि पर नजर

सीएमएस ने बताया कि रात्रि ड्यूटी का उद्देश्य भर्ती मरीजों को किसी भी तरह की परेशानी होने पर तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। दोनों वार्डों में तैनात डॉक्टर मरीजों की स्थिति पर नजर रखते हैं और जरूरत के अनुसार उपचार उपलब्ध कराया जाता है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, परिसर में जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों की रिकॉर्डिंग मुख्यालय स्तर से भी देखी जाती है। इससे रात के समय डॉक्टरों, आया, सफाईकर्मियों और सुरक्षा गार्डों की गतिविधियों, अस्पताल की व्यवस्था पर नजर बनी रहती है। व्यवस्था में किसी तरह की कमी दिखाई देने पर मुख्यालय से तत्काल अस्पताल प्रशासन को फोन कर जानकारी ली जाती है। इस व्यवस्था के जरिए अस्पताल प्रशासन का दावा है कि रात के समय भी मरीजों की चिकित्सा, साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था को लगातार सक्रिय रखा जाता है।

जिलाबदर अपराधी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना मांट पुलिस ने जिला बदर अभियुक्त को नियम तोड़ कर घर पर रहने पर दबिश देकर गिरफ्तार किया है। करन सिंह निवासी ग्राम हैंद खंड जाबरा को उसकी अपराधिक गतिविधियों के चलते पुलिस ने छह माह के लिए जिला बदर कर दिया था। अभियुक्त करन उर्फ करनवीर को उसकी अपराधिक गतिविधियों के चलते डीएम के आदेश पर उत्तर प्रदेश गुण्डा नियंत्रण अधिनियम के तहत 6 माह के लिए जिला बदर किया गया था।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए, राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायविल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

ओरिएंटेशन के साथ जीएलए ऑनलाइन एजुकेशन सत्र का शुभारंभ

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय में ऑनलाइन शिक्षा से जुड़े नए विद्यार्थियों के लिए शनिवार को विशेष ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। एमबीए, एमसीए, बीसीए, बीबीए और बी.कॉम (ऑनर्स) सहित विभिन्न ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, करियर अवसरों और कौशल विकास की संभावनाओं से परिचित कराया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ लक्ष्य निर्धारण, आत्मविश्वास और व्यावहारिक क्षमताओं को विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने नए विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में प्रवेश जीवन के नए अध्याय की शुरुआत है। विद्यार्थियों को केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि ज्ञान, व्यक्तित्व, व्यवहार और क्षमताओं का निरंतर विकास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा के दौर में विषय ज्ञान के साथ कम्युनिकेशन स्किल, तकनीकी दक्षता, व्यावहारिक ज्ञान और आत्मविश्वास भी सफलता के लिए जरूरी हैं। विश्वविद्यालय की ओर से ऑनलाइन कक्षाओं के साथ मास्टर क्लास, विशेषज्ञ व्याख्यान, इंडस्ट्री इंटरैक्शन, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कौशल विकास कार्यशालाओं से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि जीएलए के मथुरा और ग्रेटर नोएडा कैंपस के विद्यार्थियों का ओरिएंटेशन पहले ही हो चुका है और नए सत्र की कक्षाएं शुरू हो गई हैं।

जीएलए विश्वविद्यालय में ऑनलाइन एजुकेशन के विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता, सीईओ नीरज अग्रवाल, कुलसचिव अशोक कुमार सिंह और सीडीओई के निदेशक प्रो. सुरेश चंद्र जोशी।

कार्यक्रम में सीईओ-मोटिवेशनल स्पीकर नीरज अग्रवाल ने कहा कि सफलता की पहली सीढ़ी स्वयं पर विश्वास है। छोटा शहर, सीमित संसाधन या पारिवारिक परिस्थितियां किसी की सफलता की सीमा नहीं बननी चाहिए। व्यक्ति को अपनी परिस्थितियों से बाहर निकलकर बड़े लक्ष्य हासिल करने का साहस रखना चाहिए। नीरज अग्रवाल ने अपने जीवन का उदाहरण देते हुए बताया कि उन्होंने पढ़ाई छोड़कर पिता के व्यवसाय में जाने का निर्णय लिया था। परिस्थितियां आसान नहीं थीं, लेकिन उन्हें अपने निर्णय पर विश्वास था। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि प्लान–बी रखना गलत नहीं है, लेकिन प्लान–ए के प्रति विश्वास कमजोर नहीं होना चाहिए।

उन्होंने बताया कि जीएलए की प्लेसमेंट और अकादमिक टीम ऑनलाइन विद्यार्थियों के लिए भी रोजगार के बेहतर अवसर तैयार करने में जुटी है। मथुरा और ग्रेटर नोएडा कैंपस के लिए इस वर्ष करीब 900 कंपनियों को जोड़ने का लक्ष्य है, जबकि पिछले वर्ष करीब 625 से 650 कंपनियों का लक्ष्य पूरा किया गया था। आने वाले एक–दो वर्षों में ऑनलाइन विद्यार्थियों के लिए भी 100 से 200 कंपनियों को जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

कुलसचिव अशोक कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री हासिल करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में जिम्मेदारी, अनुशासन, ईमानदारी और नैतिक मूल्यों का विकास करना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की 28 वर्षों की उपलब्धियों से परिचित कराया। सीडीओई निदेशक प्रो. सुरेश चंद्र जोशी ने कहा कि ऑनलाइन शिक्षा विद्यार्थियों को विशेषज्ञों और अनुभवी लोगों से जुड़ने का अवसर देती है। कार्यक्रम का संचालन सॉफ्ट स्किल्स ट्रेनर प्रियम गुप्ता ने किया। इस दौरान डीन एकेडमिक प्रो. आशीष शर्मा, सीओई डा. अतुल बंसल, डीएसडब्लू डा. हिमांशु शर्मा, खुशबू श्रीवास्तव, मुकुल महाजन, दीपक चौधरी, चंद्रिका आनंद आदि विश्वविद्यालय के सदस्यों का सहयोग सराहनीय रहा।

नीरज अग्रवाल बोले छोटे शहर और सीमित संसाधन सफलता की सीमा नहीं

नारायण सेवा संस्थान ने बृजवासी सिस्टर्स को किया सम्मानित

गौरी और निशा पाठक को ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर किया सम्मानित

भजन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सनातन संस्कृति को बढ़ावा

यूनिक समय, बलदेव। दिव्यांग और वंचित बच्चों की सेवा में चार दशक से जुटी नारायण सेवा संस्थान की ओर से उदयपुर स्थित सेवा महातीर्थ भवन में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें धर्म, संस्कृति और समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए कस्बा निवासी बृजवासी सिस्टर्स गौरी पाठक और निशा पाठक को ट्रॉफी-प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सम्मानित जाह्नवी, अंतरराष्ट्रीय कान्स महोत्सव में श्रीमद्भागवत गीता और जपमाला के साथ भारतीय संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने वाली आरती क्षेत्रपाल की उपस्थिति आकर्षण का केंद्र रही। संस्थान प्रतिनिधियों ने बृजवासी सिस्टर्स के भजनों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और सेवा कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति- सनातन धर्म के प्रचार–प्रसार में उनका योगदान प्रेरणादायी है। समारोह में उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कस्बा निवासी राम पाठक की बेटियां बृजवासी सिस्टर्स को सम्मान मिलने पर सुजीत वर्मा, डॉ. जगदीश पाठक, मोहित पाठक, सुशेंद्र मित्तल, सोनू भैया, चेयरमैन डा.मुरारी लाल अग्रवाल, जवाहर उपाध्याय, माधव तेहरिया, अनुज उपमन्यु, राजेश पाठक, पूर्व चेयरमैन रामकृष्ण वर्मा, संजीव गोयल, राकेश गोयल, शिवा उपाध्याय, सुरेश भारद्वाज, मदन पांडेय, मुकेश उपाध्याय, सुधाकर उपाध्याय, राजेश पांडेय, यतींद्र बल्लभ शास्त्री आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है।

बृजवासी सिस्टर्स गौरी पाठक और निशा पाठक को सम्मानित करते संस्थान के पदाधिकारी।

करौली में 15 सितंबर को छप्पन भोग और फूल बंगले का आयोजन

यूनिक समय, मथुरा। 15 सितंबर को बालमुकुंद नरसी गेस्ट हाउस द्वारा राजराजेश्वरी कैला देवी भवन परिसर करौली में छप्पन भोग, फूल बंगला और भंडारे का आयोजन किया जाएगा। धार्मिक- आध्यात्मिक आयोजन को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। ट्रस्ट की ओर से श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धार्मिक कार्यक्रम में सहभागिता करने की अपील की गई है। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं के लिए भगवान को छप्पन भोग अर्पित किए जाएंगे। इसके साथ ही फूलों से आकर्षक बंगला सजाया जाएगा। धार्मिक कार्यक्रम के बाद श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की व्यवस्था भी रहेगी। आयोजन को लेकर क्षेत्र के श्रद्धालुओं में उत्साह है और बड़ी संख्या में भक्तों के पहुंचने की संभावना है।

ट्रस्टी विनोद गर्ग और प्रमोद गर्ग ने सभी श्रद्धालुओं और भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। आयोजन को लेकर बालमुकुंद चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

हिंदी केवल भाषा नहीं, संस्कृति और पहचान का आधार: डॉ. शीला देवी

राजकीय संग्रहालय में वर्तमान परिदृश्य में हिंदी की उपयोगिता पर व्याख्यान

यूनिक समय, मथुरा। हिंदी दिवस पर शनिवार को राजकीय संग्रहालय में वर्तमान परिदृश्य में हिंदी की उपयोगिता विषय पर व्याख्यान कार्यकम हुआ। कार्यक्रम में हिंदी के बदलते स्वरूप, वर्तमान समय में उसकी उपयोगिता और विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ते प्रयोग पर मंथन किया गया। वक्ताओं ने हिंदी को भारतीय संस्कृति और सामाजिक चेतना से जुड़ी महत्वपूर्ण भाषा बताया।

कार्यक्रम शुभारंभ करते हुए मुख्य प्रो. शीला देवी ने कहा कि हिंदी केवल बातचीत का माध्यम नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, परंपरा और सामाजिक चेतना को व्यक्त करने का सशक्त माध्यम है। वर्तमान समय में हिंदी का प्रयोग केवल साहित्य और शिक्षा तक सीमित नहीं है। प्रशासन, पत्रकारिता, संचार, सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटल माध्यम और तकनीकी क्षेत्रों में भी हिंदी का प्रयोग लगातार बढ़ रहा है। राजकीय संग्रहालय के उप निदेशक योगेश कुमार ने कहा कि हिंदी हमारी सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके संरक्षण, संवर्धन और प्रचार–प्रसार की जिम्मेदारी केवल संस्थाओं की नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति की भी है। सहायक निदेशक डॉ. प्रतिभा द्विवेदी ने कहा कि हिंदी की साहित्यिक और सांस्कृतिक परंपरा बेहद समृद्ध है। हिंदी देश की अलग–अलग संस्कृतियों और भावनाओं को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण भाषा है। इस मौके पर प्रशांत श्रीवास्तव, मनीष कुमार, अनितेश वार्ष्णेय, रचना, ज्योति कुशवाहा सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

व्याख्यान कार्यक्रम का शुभारंभ करतीं प्रो.शीला देवी, संग्रहालय की सहायक निदेशक प्रतिभा द्विवेदी।

राजीव एकेडमी के विद्यार्थियों ने सीखी सॉफ्टवेयर विकास की बारीकियां

एमसीए विद्यार्थियों ने नोएडा कंपनी में जुटाया व्यावहारिक ज्ञान

विशेषज्ञों से जाना तकनीकी कौशल और रोजगार का बदलता परिदृश्य

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट (आरएटीएम), मथुरा के एमसीए विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण-रोजगार विभाग की ओर से नोएडा सेक्टर–90 स्थित एपस्क्वाइज सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड का शैक्षणिक औद्योगिक भ्रमण आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग के वास्तविक कार्य वातावरण से परिचित कराना और कक्षा में अर्जित तकनीकी ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ना था।

नोएडा पहुंचने पर कंपनी प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों का स्वागत किया। भ्रमण के दौरान विशेषज्ञों ने छात्र–छात्राओं को सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट लाइफ साइकल के विभिन्न चरणों की जानकारी दी। विद्यार्थियों ने परियोजना नियोजन, प्रोग्रामिंग-कोडिंग, गुणवत्ता परीक्षण, त्रुटियों की पहचान और समाधान सहित सॉफ्टवेयर विकास की विभिन्न प्रक्रियाओं को समझा।

नोएडा स्थित एपस्क्वाइज सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड का शैक्षिक भ्रमण करते राजीव एकेडमी के एमसीए विद्यार्थी।

कंपनी विशेषज्ञों ने बताया कि वास्तविक परियोजनाओं में डेवलपमेंट, टेस्टिंग और अन्य तकनीकी टीमें आपसी समन्वय से कार्य करती हैं। विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों, सॉफ्टवेयर टूल्स और परियोजना प्रबंधन की कार्यप्रणाली से भी अवगत कराया गया। एमसीए विद्यार्थियों ने कंपनी के सॉफ्टवेयर डेवलपर्स और तकनीकी विशेषज्ञों से संवाद कर उनके दैनिक कार्य, तकनीकी चुनौतियों, कार्य संस्कृति और आईटी क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं के बारे में जानकारी हासिल की। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को प्रोग्रामिंग की मूलभूत अवधारणाएं मजबूत करने, नियमित रूप से व्यावहारिक परियोजनाओं पर काम करने और अपने प्रोजेक्ट पोर्टफोलियो को बेहतर बनाने की सलाह दी। उन्होंने समस्या समाधान क्षमता, टीम भावना, रचनात्मक सोच और नई तकनीकों के साथ लगातार अपडेट रहने को करियर के लिए जरूरी बताया।

आरएटीएम के निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने कहा कि औद्योगिक भ्रमण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। वहीं संस्थान के चेयरमैन डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने कहा कि तकनीकी शिक्षा के साथ उद्योग की वास्तविक जरूरतों और कार्यप्रणाली का अनुभव विद्यार्थियों को रोजगार और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करता है। विद्यार्थियों ने भ्रमण को ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक बताया।

आगरा पुलिस परेड ग्राउंड में सिपाही ने की आत्महत्या

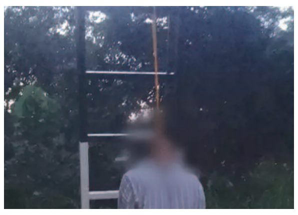

यूनिक समय, आगरा। आगरा पुलिस लाइन के परेड ग्राउंड में शनिवार सुबह 28 वर्षीय सिपाही अनुज कुमार का शव मिलने से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके से एक पेज का सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसमें अनुज ने अपने भाई से माफी मांगते हुए खुद को जिम्मेदार बताया है।

डीसीपी सिटी सय्यद अली अब्बास के अनुसार, सुबह पुलिस को सूचना मिली थी कि परेड ग्राउंड में लोहे की सीढ़ी के पास एक युवक का शव मिला है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की तो मृतक की पहचान सिपाही अनुज कुमार के रूप में हुई। वह वर्ष 2019 बैच का सिपाही था और मूलरूप से बागपत का रहने वाला बताया गया है। उसका परिवार वर्तमान में मेरठ में रहता है। पुलिस के मुताबिक,

सुसाइड नोट में लिखा भाई माफ करना, मेरा समय पूरा हो गया है

2019 बैच के सिपाही अनुज कुमार का मिला शव

नोट में भाई से मांगी माफी किसी को नहीं ठहराया जिम्मेदार

मौके से एक पानी की बोतल, मोबाइल, चप्पल और सल्फास का पैकेट मिला है। सिपाही की जेब से मिले कथित सुसाइड नोट में उसने भाई से माफी मांगने और जीवन में साथ नहीं दे पाने की बात लिखी है। नोट में किसी व्यक्ति पर आरोप नहीं लगाया गया है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सिपाही के मानसिक रूप से परेशान होने की आशंका जताई जा रही है। अनुज की करीब तीन वर्ष पहले शादी हुई थी और उसका दो वर्षीय बेटा है। घटना की जानकारी परिजनों को दे दी गई है। परिवार के मेरठ से आगरा पहुंचने के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी।

रोहित चौधरी बने लेफ्टिनेंट

चेन्नई ओटीए से प्रशिक्षण पूरा कर हुए पासआउट

जालंधर में मिली पहली पोस्टिंग, परिवार में खुशी

माता- पिता के साथ लेफ्टिनेंट रोहित चौधरी।

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा निवासी रोहित चौधरी भारतीय थल सेना में लेफ्टिनेंट बन गए हैं। उन्होंने ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी (ओटीए), चेन्नई से पांच सितंबर 2026 को सैन्य प्रशिक्षण पूरा कर पासआउट किया। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद उन्हें पहली पोस्टिंग जालंधर में मिली है।

वर्ष 2003 में मथुरा में जन्मे रोहित ने 10वीं और 12वीं की शिक्षा राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल अजमेर से प्राप्त की। इसके बाद कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। उनके पिता अजीत चौधरी भारतीय वायु सेना से सेवानिवृत्त हैं, जबकि मां कृष्णा चौधरी परास्नातक शिक्षित हैं। छोटे भाई खुशहाल चौधरी चंडीगढ़ में बीटेक कर रहे हैं। बाबा कमल सिंह चौधरी एडवोकेट लोकतंत्र रक्षक सेनानी हैं।

रोहित, मथुरा-वृंदावन नगर निगम के पार्षद राजीव कुमार सिंह के भांजे हैं। उनकी सफलता पर सांसद हेमा मालिनी, सांसद तेजवीर सिंह, मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, विधायक श्रीकांत शर्मा, भाजपा महानगर अध्यक्ष राजू यादव, सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा, ¬ उपसभापति मुकेश सारस्वत, पार्षद रेनू तिलक वीर चौधरी, राकेश भाटिया, नीलम गोयल, कुलदीप पाठक, निरंजन कुंतल, अभिजीत चौधरी, मुन्ना मलिक, चंदन आहूजा सहित परिजनों और शुभचिंतकों ने बधाई दी है।

हाईवे पर कांवड़ियों के जुगाड़ में घुसी डीसीएम, छह घायल

यूनिक समय, हाथरस। मथुरा-बरेली नेशनल हाईवे पर शनिवार तड़के करीब तीन बजे रुहेरी कट के पास कांवड़ियों से भरे जुगाड़ वाहन में डीसीएम ने टक्कर मार दी। हादसे में छह कांवड़िए घायल हो गए। सभी को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

घायलों में सचिन, वीरेंद्र, रविंद्र और आसाराम निवासी सिली का पुरा, करौली राजस्थान, जबकि राजेंद्र निवासी गुर्जर खेड़िया, करौली और सुरेंद्र मीणा निवासी भरतपुर शामिल हैं।

बताया गया कि सभी कांवड़िए करौली से कासगंज के सोरों स्थित गंगा घाट पहुंचे थे। वहां से कांवड़ में गंगाजल

सोरों से गंगाजल लेकर राजस्थान लौट रहा था जत्था

रुहेरी कट के पास तड़के तीन बजे हुआ हादसा

लेकर वापस राजस्थान लौट रहे थे। जत्थे में कुछ लोग पैदल चल रहे थे, जबकि छह लोग जुगाड़ वाहन में सवार थे। इसी दौरान रुहेरी कट के पास डीसीएम ने जुगाड़ में टक्कर मार दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया और मामले की जांच शुरू कर दी।

राजनाथ सिंह कल आगरा आएंगे खटीक गर्जना में होंगे शामिल

यूनिक समय, आगरा। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह रविवार को आगरा आएंगे। वह खंदारी स्थित राव कृष्णपाल सिंह सभागार में आयोजित मंडल स्तरीय खटीक गर्जना सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उनका करीब दो से तीन घंटे आगरा में प्रवास प्रस्तावित है।

आयोजकों के अनुसार, राजनाथ सिंह सुबह करीब 11 बजे सम्मेलन में पहुंचेंगे। कार्यक्रम में सामाजिक एकजुटता, राजनीतिक भागीदारी और आगामी चुनावों में समाज की भूमिका पर चर्चा होगी। सम्मेलन में सामाजिक न्याय राज्यमंत्री वीरेंद्र खटीक, उज्जैन सांसद अनिल फिरोजिया, सांसद डॉ. भोला सिंह और जलशक्ति राज्यमंत्री

मथुरा समेत कई जिलों से पहुंचेंगे खटीक समाज के लोग

दिनेश खटीक समेत कई जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। सम्मेलन में आगरा के अलावा मथुरा, फिरोजाबाद, एटा और हाथरस से भी समाज के लोग पहुंचेंगे। रक्षामंत्री के आगमन को लेकर पुलिस-प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था की तैयारियां शुरू कर दी हैं। एयरपोर्ट से सभागार तक काफिले के दौरान कुछ मार्गों पर यातायात प्रभावित हो सकता है। कार्यक्रम के बाद राजनाथ सिंह संयोजक हेमंत चलनीवाले के निवास पर भी जाएंगे।

जेसीआई वीक में 'द डिस्को अफेयर' ने बांधा समां

यूनिक समय, मथुरा। जेसीआई वीक 2026 के अंतर्गत आयोजित 'द डिस्को अफेयर' कार्यक्रम में संगीत, नृत्य, मनोरंजक खेल और मस्ती का शानदार संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में जेसीआई सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर जमकर आनंद उठाया।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न मनोरंजक खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इसके साथ जेसीआई से संबंधित विशेष प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी हुई। प्रतिभागियों ने जेसीआई से जुड़ी अपनी जानकारी का प्रदर्शन

जेसीआई क्विज और खेलों के विजेताओं को दिए पुरस्कार

किया। क्विज और खेलों के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की सफलता में संयोजक लेडी जेसी शिखा बंसल, लेडी जेसी उपासना गुप्ता, जेसी सुनील अग्रवाल 'कनुआ' और जेसी मनीष अग्रवाल का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में जेसी संजीव अग्रवाल, आईपीपी जेसी विशाल गोयल, कोषाध्यक्ष जेसी अतुल अग्रवाल, सचिव जेसी प्रदीप अग्रवाल सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

एएमयू वीएम हॉल में ब्लैकमेलिंग, दस कमरे सील

यूनिक समय, अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के वीएम हॉल में सोशल नेटवर्किंग ऐप के जरिए लोगों को फंसाकर ब्लैकमेल करने का मामला सामने आने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने हॉस्टलों की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। शुक्रवार देर रात प्रॉक्टर कार्यालय की टीमों ने विभिन्न हॉस्टलों में तलाशी अभियान चलाया। संदिग्ध गतिविधियों के शक में वीएम हॉल के 10 कमरे सील किए गए हैं।

मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी शहजिल बीबीए का छात्र बताया गया है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने उसे निलंबित कर दिया है। तलाशी के दौरान छात्रों के पहचान पत्र जांचे गए। वहीं, कुछ बाहरी लोगों को हॉस्टलों से बाहर भेजा गया, जो खुद को पूर्व छात्र बताकर परिसर में रह रहे थे।

पुलिस के अनुसार, संदिग्ध गतिविधियां करीब छह महीने से चल रही थीं। इस बीच हॉस्टलों की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग करीब सात दिन तक ही सुरक्षित रहने की जानकारी सामने आई है, जिससे पुराने घटनाक्रम की जांच चुनौतीपूर्ण हो सकती है।

बीबीए छात्र शहजिल निलंबित, बाहरी लोगों की तलाश तेज

छह महीने से गतिविधियों का दावा, सीसीटीवी रिकॉर्डिंग पर सवाल

मामले में कासगंज के कथित हिस्ट्रीशीटर भोला समेत अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

प्रॉक्टर प्रो. मोहम्मद नावेद के मुताबिक, शहजिल को वीएम हॉल आवंटित था, लेकिन उसके नाम कमरा दर्ज नहीं था। प्रशासन अब हॉस्टलों में बाहरी लोगों की आवाजाही पर निगरानी और सख्त करने की तैयारी में है।

बुजुर्ग से मारपीट और 12 हजार छीने, हंगामा

यूनिक समय, आगरा। आगरा के किरावली बाजार में शुक्रवार रात बुजुर्ग से मारपीट और 12 हजार रुपये छीनने के आरोप में हंगामा हो गया। पुरानी गल्ला मंडी निवासी राजकुमार गर्ग ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि रात करीब 8:45 बजे वह गर्ग मेडिकल स्टोर पर गए थे। इसी दौरान मोहम्मद और चांद वहां पहुंचे और उनके साथ गाली-गलौज करने लगे। राजकुमार का आरोप है कि विरोध करने पर दोनों युवकों ने लात-घूंसों और डंडों से हमला कर दिया। शोर सुनकर उनके बेटे अमन और आदित्य मौके पर पहुंचे तो उनके साथ भी मारपीट की गई। पीड़ित ने आरोप लगाया कि इसी दौरान जेब से 12 हजार रुपये निकाल लिए गए। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस के दौरान दरोगा और कुछ लोगों के बीच खींचतान का वीडियो सामने आया है।

जेसीआई वीक में फिल्म संग डांस और गेम्स का धमाल

जेसीआई मथुरा ग्रेटर के कार्यक्रम में मौजूद पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। जेसीआई मथुरा ग्रेटर वीक के अंतर्गत तीसरे कार्यक्रम का आयोजन उत्साह और मनोरंजन के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत 'हनुमान अंश' फिल्म के प्रदर्शन से हुई। इसके बाद डांस-हांयूजी कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं और मनोरंजक गेम्स ने सदस्यों का खूब मनोरंजन किया। सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम का आनंद उठाया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मनोज अग्रवाल सराफ ने की, जबकि संचालन यश गुप्ता ने किया। कार्यक्रम

तीसरे कार्यक्रम में 'हनुमान अंश' मूवी ने बांधा समां

की संयोजक विकास वंदना (हैप्पी ज्वेल्स) रहीं। इस अवसर पर गौरव यति गर्ग, वाणी अग्रवाल, मोहिनी अग्रवाल, अनुपम अग्रवाल, अभिषेक-पूजा, मनीष-गुंजन, आईपीपी रितेश किशोर मित्तल, वरुण गर्ग, करण मित्तल, पीडी खंडेलवाल, शीखा अमला जैन सहित जेसीआई के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में गीत-संगीत, नृत्य और खेलों के बीच सदस्यों ने आपसी मेलजोल के साथ खुशनुमा समय बिताया।

ग्रीन गैस बिल के नाम पर ठगी, खाते से निकले 2.98 लाख रुपये

यूनिक समय, आगरा। साइबर ठगों ने ग्रीन गैस बिल के नाम पर ठगी का नया तरीका अपनाते हुए दयालबाग निवासी बुजुर्ग के खाते से 2.98 लाख रुपये निकाल लिए। पीड़ित ने न्यू आगरा थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

पीड़ित गिरीश शर्मा के अनुसार, तीन दिन पहले उनके मोबाइल पर एक कॉल आई। फोन करने वाले ने खुद को ग्रीन गैस का कर्मचारी बताते हुए कहा कि बिल जमा नहीं हुआ है। भुगतान नहीं करने पर गैस कनेक्शन काटने की धमकी दी गई। ठग ने सिर्फ 130 रुपये जमा कराने की बात कहकर मोबाइल पर एक लिंक भेजा। गिरीश शर्मा ने जैसे ही लिंक खोला, उनका मोबाइल हैंग हो गया। कुछ देर बाद बैंक से लगातार

130 रुपये बिल जमा कराने का झांसा देकर भेजी एपीके फाइल

लिंक खोलते ही मोबाइल हुआ हैंग, तीन बार में रकम साफ

रकम कटने के संदेश आने लगे। साइबर ठगों ने 98-98 हजार रुपये करके तीन बार में कुल 2.98 लाख रुपये खाते से निकाल लिए। बैंक संदेश देखने के बाद उन्हें ठगी का पता चला। ग्रीन गैस लिमिटेड के अनुसार, कंपनी के 70 हजार से अधिक घरेलू पीएनजी उपभोक्ता हैं। उपभोक्ताओं को कनेक्शन काटने, बकाया भुगतान, रिफंड या अन्य सेवाओं के नाम पर आने वाले संदिग्ध कॉल और लिंक से सावधान रहने की सलाह दी गई है। अनजान एपीके फाइल या लिंक खोलने से बचने को कहा गया है।

सुविचार

गिरकर संभलना सीखो, क्योंकि ठोकरें ही जीवन की सच्ची शिक्षक होती हैं।

कल का पंचांग

तिथि	द्वितीया	07:46-07:08 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	हस्त	12:55-01:06 तक	माह	भाद्रपद
सूर्योदय		6:13 AM	चन्द्रोदय	08:04 AM
सूर्यास्त		6:33 PM	चंद्रास्त	07:47 PM
सूर्य राशि		सिंह राशि	चंद्र	कन्या राशि
शुभ मुहूर्त		11:51AM–12:41 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:35-05:23
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		05:00 PM: 06:33 PM	वार	रविवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

पितृ पक्ष में खरीदारी से लगता है पितृ दोष?

नए कपड़े, गाड़ी और गहने खरीदने से बचें

जरूरी सामान खरीदने पर नहीं मानी जाती कोई मनाही

यूनिक समय, मथुरा। पितृ पक्ष 27 सितंबर, रविवार से शुरू हो रहा है। यह अवधि पूर्वजों के स्मरण, तर्पण, श्राद्ध और पिंडदान के लिए विशेष मानी जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन दिनों में पितरों की आत्मशांति के लिए श्रद्धापूर्वक कर्मकांड किए जाते हैं। ऐसे में लोगों के मन में अक्सर सवाल रहता है कि क्या पितृ पक्ष के दौरान नए कपड़े या दूसरी नई वस्तुएं खरीदना अशुभ होता है और क्या इससे पितृ दोष लगता है?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष में खरीदारी पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं है। रोजमर्रा की जरूरत का सामान आवश्यकता होने पर खरीदा जा सकता है। हालांकि, इस दौरान बड़ी और विलासिता से जुड़ी वस्तुओं की खरीदारी टालने की परंपरा है। नए कपड़े, आभूषण, वाहन, मकान–जमीन और लोहे से जुड़ी वस्तुएं खरीदने से बचने की सलाह दी जाती है। इसे पितृ पक्ष की सादगी और संयम की परंपरा से जोड़कर देखा जाता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

पितृ पक्ष के दौरान विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन जैसे मांगलिक कार्य नहीं किए जाते। मान्यता है कि यह समय उत्सव के बजाय पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और सेवा के लिए समर्पित होना चाहिए। इसलिए परिवार में शांत और सकारात्मक वातावरण बनाए रखने की सलाह दी जाती है।

इन दिनों श्राद्ध और तर्पण करते समय सफेद, हल्के पीले या अन्य सात्विक रंगों के सादे वस्त्र पहनना शुभ माना जाता है। मांस, मछली, अंडा, शराब और नशीले पदार्थों से परहेज की परंपरा है। कई परिवार लहसुन–प्याज का सेवन भी नहीं करते।

पितृ पक्ष में जरूरतमंदों की सहायता, पशु–पक्षियों को भोजन कराना और दान–पुण्य करना भी महत्वपूर्ण माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन दिनों किसी से झगड़ा, अपशब्द, झूठ और अनुचित व्यवहार करने से बचना चाहिए।

स्मार्टवॉच बताएगी कब कसरत करें, कब लें आराम

नई एप्पल वॉच हर पांच सेकंड में मापेगी हार्ट रेट

एयरपॉड्स में लाइव ट्रांसलेशन, ऑडियो इंटेलिजेंस के फीचर

यूनिक समय, मथुरा। एप्पल के 9 सितंबर के इवेंट में आईफोन के साथ नई एप्पल वॉच और एयरपॉड्स के फीचर्स भी आकर्षण का केंद्र रहे। एप्पल वॉच सीरीज–12 और वॉच अल्ट्रा–4 में हेल्थ और फिटनेस ट्रैकिंग को पहले से अधिक स्मार्ट बनाया गया है। दोनों नई वॉच में ऑप्टिकल और इलेक्ट्रिक हार्ट रेट सेंसर दिए गए हैं। ये हर पांच सेकंड में हार्ट रेट मापेंगी। हार्ट रेट वैरिएबिलिटी (एचआरवी) की निगरानी भी पहले के मुकाबले अधिक बार होगी। सुबह वॉच यूजर की नींद, हाल की गतिविधियों, ट्रेनिंग और शरीर के संकेतों का आकलन कर 0 से 10 तक स्कोर देगी। इसके आधार पर बताया जाएगा कि शरीर एक्सरसाइज के लिए तैयार है या आराम की जरूरत है।

सीरीज–12 की शुरुआती कीमत 56,900 रुपये और अल्ट्रा–4 की 1,09,900 रुपये है। वहीं एयरपॉड्स में एक्टिव नॉइज कैंसलेशन, लाइव ट्रांसलेशन और ऑडियो इंटेलिजेंस जैसे फीचर मिलेंगे। लाइव रिवाइंड आसपास की बातचीत के पिछले 15 सेकंड का लिखित सार दिखा सकेगा।

घर पर बनाएं एलोवेरा शैंपू बालों की बढ़े चमक

एलोवेरा स्कैल्प को नमी देकर बालों को बनाए मुलायम

नारियल दूध, तेल और टी ट्री ऑयल से तैयार करें

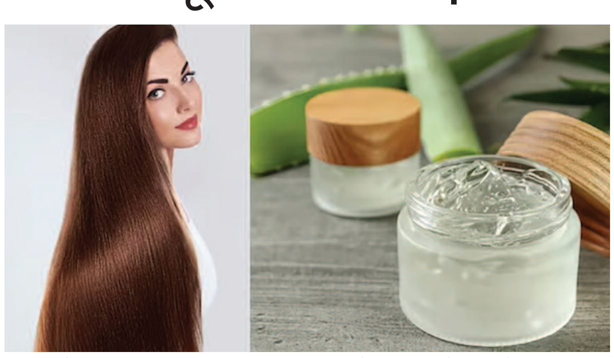

यूनिक समय, मथुरा। बालों को मुलायम, चमकदार और स्वस्थ बनाए रखने के लिए एलोवेरा का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व और एंटीऑक्सीडेंट स्कैल्प को नमी देने में मदद कर सकते हैं। बाजार के उत्पादों के विकल्प के तौर पर घर पर एलोवेरा शैंपू भी तैयार किया जा सकता है। इसे बनाने के लिए आधा कप ताजा एलोवेरा जेल, दो चम्मच माइल्ड लिक्विड कैस्टाइल सोप, एक चम्मच नारियल दूध, एक चम्मच ऑलिव या बादाम तेल और पांच–छह बूंद टी ट्री ऑयल लें। एलोवेरा जेल को ब्लेंड कर सभी सामग्री को अच्छी तरह मिला लें।

शैंपू को स्कैल्प और बालों की जड़ों में हल्के हाथों से लगाकर मसाज करें। करीब 10–15 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें।

हालांकि, एलोवेरा या टी ट्री ऑयल से संवेदनशील त्वचा वालों को जलन हो सकती है। इस्तेमाल से पहले पैच टेस्ट जरूर करें।

ब्राउन और व्हाइट शुगर में क्या फर्क है?

यूनिक समय, मथुरा। चाय, कॉफी से लेकर मिठाइयों तक चीनी का इस्तेमाल आम है। हालांकि, ब्राउन और व्हाइट शुगर को लेकर अक्सर सवाल रहता है कि दोनों में से सेहत के लिए कौन बेहतर है। दोनों मुख्य रूप से गन्ने या शुगर बीट से बनती हैं, लेकिन इनके प्रसंस्करण और स्वाद में अंतर होता है।

व्हाइट शुगर को कई स्तरों पर शुद्ध कर इसमें मौजूद शीरा निकाल दिया जाता है। इसलिए इसका रंग सफेद, दाने सूखे और स्वाद सामान्य मीठा होता है। दूसरी ओर ब्राउन शुगर में शीरे की कुछ मात्रा बनी रहती है या इसे बाद में मिलाया जाता है। इसी वजह से इसका रंग भूरा, बनावट थोड़ी नम और स्वाद हल्का कैरेमल जैसा होता है। शीरे की वजह से ब्राउन शुगर में कैल्शियम, पोटैशियम, आयरन और मैग्नीशियम जैसे खनिज बेहद कम मात्रा में मिलते हैं। हालांकि, इसे पोषण का बड़ा स्त्रोत नहीं माना जा सकता। दोनों में कैलोरी लगभग समान होती है। इसलिए ब्राउन शुगर को स्वास्थ्यवर्धक मानकर ज्यादा खाना सही नहीं है। दोनों का सेवन सीमित मात्रा में करना बेहतर है।

करोड़ों की कमाई का रास्ता खोल सकती हैं ये पांच नौकरियां

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लेकर शीर्ष प्रबंधन तक बड़े अवसर

अनुभव, विशेषज्ञता और प्रदर्शन से बढ़ती है कमाई

यूनिक समय, मथुरा। बदलते दौर में नौकरी केवल नियमित आय का साधन नहीं रह गई है। तकनीकी बदलाव और विशेषज्ञ पेशेवरों की बढ़ती मांग ने कई ऐसे रोजगार के अवसर पैदा किए हैं, जहां अनुभव और बेहतर प्रदर्शन के साथ सालाना करोड़ों रुपये तक कमाई की संभावना रहती है। हालांकि, इसके लिए शैक्षणिक योग्यता के साथ विशेष कौशल और लगातार अनुभव जरूरी है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन सीखने के विशेषज्ञः तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता अभियंता, सॉफ्टवेयर विशेषज्ञ और तकनीकी वास्तुकारों की मांग बढ़ रही है। वरिष्ठ पदों पर वेतन के साथ कंपनी के हिस्से मिलने से आय और बढ़ सकती है।

निवेश बैंकिंग विशेषज्ञः कंपनियों के विलय, अधिग्रहण और बड़े वित्तीय सौदों में अहम भूमिका निभाने वाले विशेषज्ञों को वेतन के अलावा प्रदर्शन के आधार पर बड़ा बोनस मिलता है।

विशेषज्ञ चिकित्सकः मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र के चिकित्सक, हृदय रोग विशेषज्ञ तथा अन्य विशेषज्ञ चिकित्सक अनुभव बढ़ने के साथ निजी अस्पतालों और निजी चिकित्सा केंद्रों से अच्छी कमाई कर सकते हैं।

कंपनियों के कानूनी विशेषज्ञः कंपनियों के कानूनी मामलों, बौद्धिक संपदा और बड़े कारोबारी समझौतों से जुड़े विशेषज्ञ वकीलों की मांग लगातार बनी हुई है।

शीर्ष प्रबंधन अधिकारीः मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मुख्य वित्तीय अधिकारी और मुख्य तकनीकी अधिकारी जैसे पदों पर वेतन के साथ बोनस तथा कंपनी में हिस्सेदारी के जरिए करोड़ों रुपये की कमाई के अवसर मिल सकते हैं।

पैकेज्ड फूड का बाजार बढ़ा, सेहत पर सवाल गहराए

2025 में 12.27 लाख करोड़, 2034 तक 22.7 लाख करोड़ पहुंचने का अनुमान

भारत में सस्ते उत्पादों की मांग, गुणवत्ता को लेकर उठे गंभीर सवाल

यूनिक समय, मथुरा। देश में पैकेज्ड फूड का बाजार तेजी से विस्तार कर रहा है। रिसर्च फर्म आईएमएआरसी ग्रुप के मुताबिक 2025 में 12.27 लाख करोड़ रुपये का रहा यह बाजार मौजूदा रफ्तार बरकरार रहने पर 2034 तक बढ़कर 22.7 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। हालांकि, कम कीमत पर आधारित इस बाजार के साथ उत्पादों की गुणवत्ता और स्वास्थ्य पर गंभीर सवाल भी उठ रहे हैं।

खाद्य उत्पादों में अधिक चीनी, नमक और सैचुरेटेड फैट को लेकर खाद्य नियामक एफएसएसएआई फ्रंट–ऑफ–पैक वॉर्निंग लेबल के नियमों पर विचार कर रहा है। ऑल इंडिया फूड प्रोसेसर्स एसोसिएशन का दावा है कि नए नियम लागू होने पर करीब 80 फीसदी पैकेज्ड फूड उत्पादों पर चेतावनी लेबल लगाने की जरूरत पड़ सकती है। रिपोर्ट में कंपनियों के भारत और विकसित देशों में बेचे जाने वाले समान उत्पादों की सामग्री में अंतर का मुद्दा भी उठाया गया है। उदाहरण के तौर पर मैगी के भारत में बिकने वाले उत्पाद में पाम ऑयल, जबकि ब्रिटेन के संस्करण में सनफ्लावर ऑयल इस्तेमाल होने का उल्लेख किया गया है। किटकैट के कोको कंटेंट में भी देशों के बीच अंतर की बात सामने आई है।

भारत में अपेक्षाकृत कम घरेलू आय के कारण सस्ते पैकेज्ड फूड और पेय पदार्थों की मांग अधिक है। थम्स अप इसका प्रमुख उदाहरण है। कोका–कोला ने 1993 में इसे बंद करने की योजना बनाई थी, लेकिन उपभोक्ताओं की पसंद के कारण ब्रांड आज भी बाजार में मजबूत है।

दूसरी ओर, अधिक चीनी और वसा वाले उत्पादों के सेवन को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जोड़ा जा रहा है। नोवो नॉर्डिस्क की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में करीब 10.1 करोड़ लोग डायबिटीज और 13.6 करोड़ प्री–डायबिटीज से प्रभावित हैं।

चिली में 2016 में हाई-न्यूट्रिएंट उत्पादों पर चेतावनी लेबल अनिवार्य किए जाने के बाद शक्कर वाले पेय की बिक्री में 23.7 फीसदी गिरावट दर्ज हुई थी। भारत में भी ऐसे लेबल को लेकर बहस जारी

सम्पादकीय

रजिस्ट्री में जमीन नहीं जुगाड़ बिकता यूपी में

यूपी में जमीन खरीदना हो तो लगता है कि आप संपत्ति नहीं, परीक्षा खरीद रहे हैं। फर्क बस इतना है कि परीक्षा में नकल कराने वाला छिपकर पैसे लेता है और यहां रजिस्ट्री दफ्तर का खेल कभी–कभी कैमरे के सामने भी खुल जाता है। आबादी की जमीन को कृषि भूमि बताकर रजिस्ट्री कराने के कथित खेल ने सरकारी व्यवस्था के उस चेहरे को सामने ला दिया है, जिसे देखकर आम आदमी को अपनी जमीन से ज्यादा अपनी किस्मत की चिंता होने लगे। मामला सिर्फ महोबा, बांदा या चित्रकूट का नहीं है। असली सवाल यह है कि अगर नियम इतने स्पष्ट हैं तो उन्हें तोड़ने का रास्ता इतना आसान कैसे है? बाबू कथित तौर पर रेट बता रहा है, दलाल बचत की गारंटी दे रहा है और ग्राहक से कहा जा रहा है कि कागज लेकर आइए, बाकी 'फिट' हो जाएगा। यानी सरकारी दफ्तर में अब फाइल नहीं, फिटिंग चल रही है!

पवन गौतम
संपादक

विडंबना देखिए, सरकार डिजिटल इंडिया, पारदर्शिता और भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था की बात करती है, लेकिन जमीन की रजिस्ट्री जैसे महत्वपूर्ण काम में अगर 'अंदर की सेटिंग' कानून से ज्यादा ताकतवर हो जाए तो सवाल केवल कर्मचारी पर नहीं, पूरी निगरानी व्यवस्था पर उठता है। आखिर वह कौन–सा सिस्टम है, जिसमें गलत जमीन को सही बताने का भाव तय हो सकता है?

स्कैन करें
संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि ऐसी रजिस्ट्री तत्काल भले सस्ती दिखाई दे, लेकिन भविष्य में यही कागज विवाद, मुकदमे और पीढ़ियों की परेशानी का कारण बन सकते हैं। सरकारी राजस्व की चोरी अलग, खरीदार की सुरक्षा अलग खतरे में।

यूपी को एक्सप्रेसवे, निवेश और विकास के साथ ऐसी व्यवस्था भी चाहिए जहां जमीन की कीमत सरकारी सर्किल रेट तय करे, किसी बाबू या दलाल की 'रेट लिस्ट' नहीं। रजिस्ट्री कार्यालय सुविधा केंद्र बनें, सौदेबाजी के अड्डे नहीं।

जरूरत इस बात की है कि सरकार स्टिंग में सामने आए कथित खेल को केवल एक–दो कर्मचारियों की कार्रवाई तक सीमित न रखे। रजिस्ट्री के पुराने दस्तावेजों का ऑडिट हो, संदिग्ध भूमि उपयोग वाली रजिस्ट्रियों की जांच हो और दोषी पाए जाने पर जिम्मेदारी ऊपर तक तय हो।

क्योंकि जमीन किसान की हो सकती है, खरीदार की हो सकती है, लेकिन रजिस्ट्री व्यवस्था जनता के भरोसे की संपत्ति है। उस भरोसे की रजिस्ट्री किसी कीमत पर फर्जी नहीं होनी चाहिए।

नजरिया

सफलता दस मिनट में नहीं, दस साल की तैयारी में मिलती है

बोध प्रकाश सगुणी

आज की दुनिया में हर चीज की रफ्तार बढ़ गई है। खाना चाहिए तो कुछ ही मिनट में दरवाजे पर पहुंच जाता है। सामान चाहिए तो मोबाइल की एक क्लिक पर घर तक आ जाता है। संदेश भेजिए तो पल भर में सामने वाले के फोन पर पहुंच जाता है। इस तेज होती दुनिया ने हमारी उम्मीदों की रफ्तार भी बढ़ा दी है। अब हम जीवन में भी परिणाम तुरंत चाहते हैं। नौकरी मिली तो जल्दी प्रमोशन चाहिए, कारोबार शुरू किया तो कुछ महीनों में बड़ा मुनाफा चाहिए और पहचान मिली तो तुरंत प्रसिद्धि चाहिए।

लेकिन जिंदगी का सबसे बड़ा सच यह है कि सफलता किसी फूड डिलीवरी एप की तरह नहीं है, जिसे ऑर्डर करते ही दस मिनट में दरवाजे पर पहुंचा दिया जाए।

सफलता की अपनी गति होती है और यह गति अक्सर बहुत धीमी दिखाई देती है। यही धीमापन आज की पीढ़ी के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। सोशल मीडिया पर जब किसी की सफलता की कहानी कुछ तस्वीरों और कुछ सेकंड के वीडियो में दिखाई देती है तो उसके पीछे लगे वर्षों के संघर्ष नजर नहीं आते। हमें मंजिल दिखाई देती है, रास्ते में पड़े पत्थर नहीं।

डिक पोर्टिलो की कहानी इसी सच्चाई को सामने रखती है। एक साधारण परिवार से निकलकर उन्होंने हॉट–डॉग का छोटा–सा स्टैंड शुरू किया। शुरुआत में उन्हें यह तक नहीं पता था कि हॉट–डॉग बनाया कैसे जाता है। लेकिन उन्होंने सीखने, प्रयोग करने और लगातार आगे बढ़ने का रास्ता चुना। लगभग पांच दशक तक मेहनत करते हुए उन्होंने हजारों कर्मचारियों वाली विशाल रेस्तरां कंपनी खड़ी कर दी। उनकी सफलता किसी चमत्कार का परिणाम नहीं थी। वह वर्षों तक किए गए छोटे–छोटे प्रयासों का परिणाम थी।

आज युवाओं के सामने सबसे बड़ी समस्या अवसरों की कमी नहीं, बल्कि धैर्य की कमी है। इंटरनेट ने दुनिया को हमारी हथेली में ला दिया है, लेकिन उसने यह भ्रम भी पैदा कर दिया है कि जिंदगी की हर उपलब्धि तुरंत मिल सकती है। वायरल वीडियो कुछ घंटों में लोकप्रिय हो सकता है, लेकिन व्यक्तित्व बनने में वर्षों लगते हैं। एक पोस्ट कुछ मिनट में प्रसिद्धि दिला सकती है, लेकिन विश्वसनीयता बनाने में लंबा समय लगता है। पैसा अचानक मिल सकता है, लेकिन स्थायी संपत्ति बनाने में पीढ़ियां लग जाती हैं।

बीज बोने के बाद पेड़ को खींचकर बड़ा नहीं किया जा सकता। उसकी जड़ें पहले जमीन के भीतर मजबूत होती हैं। बाहर से देखने वाले को कई दिनों तक कोई खास बदलाव दिखाई नहीं देता, लेकिन अंदर लगातार काम चल रहा होता है। इंसान की सफलता भी ऐसी ही होती है। पढ़ाई, प्रशिक्षण, अनुभव, असफलता, अनुशासन और आत्ममंथन– ये सभी उसकी अदृश्य जड़ें हैं। जब ये मजबूत हो जाती हैं, तभी सफलता का पेड़ दिखाई देने लगता है।

हमारी सेनाओं से भी यही सीख मिलती है। किसी बड़े अभियान के लिए सैनिक वर्षों तक प्रशिक्षण लेते हैं। ऑपरेशन का निर्णायक क्षण शायद कुछ मिनटों का हो, लेकिन उन कुछ मिनटों की सफलता के पीछे हजारों घंटे की तैयारी होती है। यही अंतर तैयारी और जल्दबाजी के बीच है। आज हमें इस सिद्धांत को अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में उतारने की जरूरत है।

किसी परीक्षा में सफलता के लिए आखिरी रात की पढ़ाई पर्याप्त नहीं होती। किसी व्यवसाय को बड़ा बनाने के लिए केवल शानदार आइडिया काफी नहीं होता। नौकरी में नेतृत्व की जिम्मेदारी पाने के लिए सिर्फ महत्वाकांक्षा पर्याप्त नहीं होती। हर उपलब्धि के पीछे

लंबे समय तक किया गया अभ्यास होता है।

विडंबना यह है कि हम असफलता को जितनी जल्दी खत्म करना चाहते हैं, सफलता को उतनी ही जल्दी हासिल करना चाहते हैं। जबकि असफलता भी सफलता की तैयारी का हिस्सा है। हर गलती हमें बताती है कि अगली बार क्या नहीं करना है। हर अस्वीकार हमें थोड़ा मजबूत बनाता है। हर कठिन दिन हमारी क्षमता में कुछ जोड़ता है। इसलिए युवाओं को यह तय करना होगा कि वे तुरंत दिखने वाली सफलता चाहते हैं या लंबे समय तक टिकने वाली सफलता।

दिखावे की सफलता सोशल मीडिया पर अच्छी लग सकती है, लेकिन वास्तविक सफलता वह है जो कठिन समय में भी साथ खड़ी रहे। किसी व्यक्ति की असली ताकत उसकी लोकप्रियता नहीं, उसकी क्षमता होती है। उसका असली मूल्य इस बात से तय होता है कि वह बिना तालियों के कितने वर्षों तक मेहनत कर सकता है।

आज जब दुनिया हर चीज को गति से माप रही है, तब धैर्य रखना अपने आप में एक प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त बन सकता है। जब बाकी लोग जल्दी परिणाम न मिलने पर रास्ता बदल रहे हों, तब लगातार अपने कौशल को निखारने वाला व्यक्ति धीरे–धीरे उनसे आगे निकल सकता है।

हमें अपनी प्रगति का पैमाना भी बदलना होगा। यह देखना जरूरी नहीं कि दुनिया हमें कितनी जल्दी पहचान रही है। ज्यादा जरूरी यह है कि हम हर दिन खुद को कितना बेहतर बना रहे हैं।

क्योंकि सफलता का कोई 'इंस्टेंट डिलीवरी' मॉडल नहीं होता। न कोई शॉर्टकट, न कोई एक क्लिक और न कोई दस मिनट का फार्मूला।

निष्कर्ष यही है कि आज यदि सफलता दूर दिखाई दे रही है तो घबराने की जरूरत नहीं। संभव है कि हमारी जड़ें मजबूत हो रही हों। मेहनत जारी रखिए, सीखते रहिए, गलतियों से गुजरिए और धैर्य रखिए। तालियां देर से बजें, लेकिन जब बजें तो आपकी सफलता केवल दिखाई न दे, बल्कि टिकाऊ भी हो।

विचार विंडो

बिजनेस में भरोसा और संवाद ही सफलता की नींव

राम प्रकाश वर्मा

हर सीईओ को आखिरकार यह सीखना ही पड़ता है कि बोर्ड के साथ संबंध महज एक औपचारिकता नहीं है। यह कंपनी की रणनीतिक दिशा तय करता है। यही यह भी तय करता है कि लीडरशिप वास्तव में कितनी स्थिर है। विश्वास ही इसकी बुनियाद है। बोर्ड के साथ विश्वास अटूट होना चाहिए। इसका मतलब महज सहमति नहीं है। इसका मतलब है सम्मान और समय के साथ विकसित हुई वास्तविक, पारस्परिक समझ।

जब यह विश्वास टूटता है– चाहे वह बोर्ड के भीतर हो या बोर्ड और सीईओ के बीच या मैनेजमेंट टीम के भीतर– तो नुकसान शायद ही कभी छोटा होता है। अकसर यह बेहद गंभीर होता है और लंबे समय तक बना रहता है।

इसीलिए, संवाद का रास्ता खुला रखें। बोर्ड को उन जानकारियों तक पहुंच होनी चाहिए, जो वास्तव में मायने रखती हैं।

इसका मतलब रोजमर्रा के कामकाज पर नियंत्रण नहीं, बल्कि कारोबार में वास्तव में क्या हो रहा है, इसकी स्पष्ट जानकारी होना है।

पारदर्शिता ही शुरुआत में विश्वास पैदा करती है। और यही बोर्डरूम में बेहतर फैसलों की ओर ले जाती है। यह फैसले लेने की प्रक्रिया को धीमा नहीं करती।

बेहतरीन सीईओ अपने बोर्ड को जानकारी देने के लिए तिमाही बैठक का इंतजार नहीं करते।

वे संक्षिप्त और सारगर्भित अपडेट देने की एक नियमित व्यवस्था बनाते हैं, ताकि कोई भी बात अचानक सामने न आए। यह दोनों तरफ से काम करता है। बोर्ड को प्रतिक्रिया देने, सवाल उठाने और अपना दृष्टिकोण रखने के लिए प्रोत्साहित करें। यही संवाद सीईओ को इस बात से वास्तविक रूप से जोड़े रखता है कि बोर्ड कंपनी को किस दिशा में ले जाना चाहता है।

आपके बोर्ड को कुछ ऐसी बातें पता होती हैं, जो आपको नहीं पता। बहुत से सीईओ बोर्ड को एक ऐसे समूह के रूप में देखते हैं, जिसे मैनेज करना है, जिसे रिपोर्ट देना है और जिससे एक सुविधाजनक दूरी बनाए रखनी है। लेकिन यह एक गलती है।

बोर्ड के सदस्यों के पास अलग–अलग उद्योगों और परिस्थितियों में काम करने का दशकों का अनुभव होता है, जिनमें से कई परिस्थितियों का सीईओ ने शायद कभी

सीधे सामना न किया हो। इस अनुभव का सही इस्तेमाल किया जाए तो यह रणनीतिक योजना बनाने में एक बड़ी पूंजी बन सकता है और वास्तविक संकट के समय तो और मूल्यवान साबित हो सकता है।

यही कारण है कि बोर्ड सदस्यों की प्रतिक्रिया को गंभीरता से लें। इसका इस्तेमाल रणनीति को और धार देने तथा उसके क्रियान्वयन को और मजबूत करने में करें। सबसे बेहतर गवर्नेंस ऊपर से नीचे की ओर चलने वाली व्यवस्था नहीं होती। वह सहयोगात्मक होती है।

औपचारिक बोर्ड बैठकें वास्तविक समझ विकसित करने की जगह नहीं होतीं। यह समझ उन बातचीत में बनती है, जो बैठक से पहले और बाद में होती हैं– जहां किसी निदेशक की वास्तविक चिंताएं और प्राथमिकताएं सामने आती हैं।

समय निकालकर यह समझने की कोशिश करें कि बोर्ड का हर सदस्य किन बातों को महत्व देता है और क्यों। इससे आपको उन टकरावों से बचने में मदद मिलेगी, जिनका आपको पहले से कोई अंदाजा नहीं था और जब बड़े फैसलों का समय आएगा, तब आपसी सहमति कायम करना भी कहीं आसान होगा।

गवर्नेंस और उद्योग के रुझानों पर संयुक्त सत्र भी मददगार होते हैं। जो बोर्ड बदलते परिदृश्य से लगातार अपडेट रहता है, वह सिर्फ निगरानी करने वाला बोर्ड नहीं रहता, बल्कि वास्तविक मूल्य जोड़ता है। बोर्ड को कुशलता से संभालना यथास्थिति को बचाए रखने के बारे में नहीं है।

यह इस रिश्ते को वास्तविक रणनीतिक बढ़त में बदलने के बारे में है। यही कारण है कि विश्वास कायम करें। पूरी पारदर्शिता के साथ संवाद करें। बोर्ड को महज एक चेकपॉइंट नहीं, बल्कि साझेदार के रूप में साथ लेकर चलें। इसे सही ढंग से किया जाए तो यह केवल गवर्नेंस की एक जिम्मेदारी नहीं रह जाती। यह कंपनी को आगे बढ़ाने के लिए सीईओ के पास मौजूद सबसे महत्वपूर्ण, लेकिन सबसे कम इस्तेमाल किए जाने वाले साधनों में से एक बन जाती है।

बोर्ड को उन जानकारियों तक पहुंच होनी चाहिए, जो वास्तव में मायने रखती हैं। इसका मतलब रोजमर्रा के कामकाज पर नियंत्रण नहीं, बल्कि कारोबार में वास्तव में क्या हो रहा है, इसकी स्पष्ट जानकारी होना है। पारदर्शिता ही शुरुआत में विश्वास पैदा करती है।

टीम इंडिया से बाहर हुईं हरलीन देओल

अब डब्ल्यूसीपीएल में मचाएंगी धमाल, इस टीम से जुड़ा करार

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की धाकड़ बल्लेबाज हरलीन देओल अब वेस्टइंडीज में खेले जा रहे महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग यानी डब्ल्यूसीपीएल 2026 में अपना जलवा दिखाती नजर आएंगी। हरलीन ने टूर्नामेंट के मौजूदा सीजन के बाकी बचे मुकाबलों के लिए बारबाडोस ट्राइडेंट्स के साथ करार किया है। फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया पर हरलीन की तस्वीर पोस्ट करते हुए उनके टीम से जुड़ने का आधिकारिक ऐलान किया है। भारतीय खिलाड़ी के लिए यह विदेशी टी20 लीग में अपनी प्रतिभा दिखाने का अच्छा मौका माना जा रहा है।

हरलीन देओल को दुबई में खेले जा रहे महिला टी20 एशिया कप के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है। इसके अलावा वह इस समय भारतीय महिला ए टीम का भी हिस्सा नहीं हैं। ऐसे में उनके पास डब्ल्यूसीपीएल के पूरे मौजूदा सीजन में बारबाडोस ट्राइडेंट्स के लिए खेलने का मौका रहेगा। वह इस सीजन डब्ल्यूसीपीएल में शामिल होने वाली पांचवीं भारतीय खिलाड़ी हैं। इससे पहले किरण नवगिरे और पूजा वस्त्राकर बारबाडोस ट्राइडेंट्स का हिस्सा हैं, जबकि शिखा पांडे और यास्तिका भाटिया ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के लिए खेल रही हैं। बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने इस सीजन अब तक सिर्फ एक मुकाबला खेला है, जिसमें उसे ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के खिलाफ 21 रन से हार का सामना करना पड़ा। अब टीम का अगला मुकाबला 13 सितंबर को जमैका एम्प्रेस के खिलाफ होना है। ऐसे में हरलीन के टीम से जुड़ने के बाद बारबाडोस को अपनी बल्लेबाजी में मजबूती मिलने की उम्मीद होगी।

टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में हरलीन देओल के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने भारत के लिए अब तक 28 मुकाबले खेले हैं। इनमें 20 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने 311 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 92.01 रहा है। उन्होंने अपना पिछला टी20 इंटरनेशनल मुकाबला इस साल मार्च में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। वहीं विमेंस प्रीमियर लीग में भी हरलीन का रिकॉर्ड अच्छा रहा है। उन्होंने 28 मैचों में 28.21 के औसत से 649 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। अब डब्ल्यूसीपीएल में उनके प्रदर्शन पर सभी की नजरें रहेंगी और बारबाडोस ट्राइडेंट्स को उम्मीद होगी कि भारतीय बल्लेबाज टीम के अभियान को नई रफ्तार देगी।

यंग डीएसए की टिप्पणी पर भड़कीं कनिका

यूनिक समय, नई दिल्ली। 'बिग बॉस 20' का घर एक बार फिर विवाद और तीखी बहस का अखाड़ा बन गया। हालिया एपिसोड में कनिका मान और यंग डीएसए के बीच कैप्टेंसी और घर के काम को लेकर शुरू हुई बहस देखते ही देखते पर्सनल हो गई। मामला तब बढ़ गया, जब यंग ने कनिका और अपने दोस्त गुल्लू की नजदीकियों को लेकर मजाक किया। इसके बाद यंग की एक टिप्पणी पर कनिका ने कड़ी आपत्ति जताई और उसे अनुचित बताया। दरअसल, कनिका ने घर का दूसरा काम करने से इनकार करते हुए यंग की कप्तानी पर तंज कसा और कहा कि कैप्टन को कोई काम नहीं करना चाहिए। उन्होंने यंग से मजाक में पूछा कि अब वह खाना कैसे खाएंगे और उन्हें खाना चबाने में मदद करने की बात कही। इस पर यंग ने जवाब दिया, 'नहाते समय भी बुला लूं।' यह सुनकर कनिका नाराज हो गईं और दोनों के बीच बहस तेज हो गई। कई

बोली, टीवी एक्टर होने पर गर्व है

घरवालों ने कनिका का समर्थन किया। इसी दौरान गेमर स्काउट ओपी ने उन्हें टीवी एक्टर की तरह नाटक नहीं करने की बात कही, जिस पर कनिका ने पलटकर कहा कि उन्हें टीवी एक्टर होने पर गर्व है।

एपिसोड में अमन गांधी और आसिफ खान के बीच भी क्लास और लोकल ट्रेन में सफर करने को लेकर बहस हुई। वहीं माही विज और आम्रपाली दुबे के बीच भी विवाद देखने को मिला। आम्रपाली ने बाद में उदिति सिंह से अपनी बात के लिए माफी मांग ली। इस बीच यंग डीएसए को दिन में सोते हुए पकड़ा गया, जो बिग बॉस के नियमों का उल्लंघन था। इसके बाद बिग बॉस ने पूरे घर को सजा देते हुए राशन में 30 प्रतिशत की कटौती कर दी।

36 दिन बाद भी नहीं थमी 'हनुमान अंश' की रफ्तार

जिस फिल्म को सिनेमाघरों से हटाने की आई थी नौबत

वही अब 200 करोड़ पार कर मचा रही तहलका

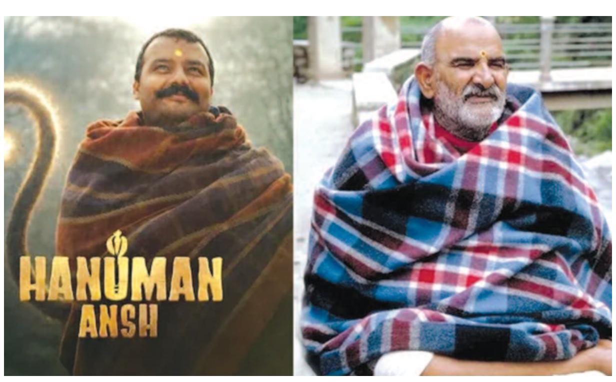

यूनिक समय, नई दिल्ली। डिवोशनल फिल्म 'हनुमान अंश' बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद से कहीं ज्यादा शानदार प्रदर्शन कर रही है। रिलीज के शुरुआती दिनों में दर्शकों की कमी से जूझने वाली यह फिल्म अब लगातार कमाई के नए आंकड़े छू रही है। फिल्म ने रिलीज के 36 दिन पूरे कर लिए हैं और खास बात यह है कि पिछले लगातार 9 दिनों से इसका डेली कलेक्शन डबल डिजिट में बना हुआ है। 36वें दिन भी फिल्म ने करीब 10.50 करोड़ रुपये की कमाई की है। फिल्म की शुरुआत बेहद धीमी रही थी।

कम दर्शकों की वजह से इसे कुछ सिनेमाघरों से हटाना तक पड़ा था और एक समय यह सीमित स्क्रीन पर ही दिखाई जा रही थी। हालांकि, बाद में दर्शकों की प्रतिक्रिया बेहतर होती गई और फिल्म को मजबूत वर्ड ऑफ माउथ का फायदा मिला। धीरे-धीरे सिनेमाघरों में दर्शकों की संख्या बढ़ी और इसकी कमाई ने रफ्तार पकड़ ली। अब फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर चुकी है।

सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, 'हनुमान अंश' का नेट कलेक्शन 173.63 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जबकि फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 205.15 करोड़ रुपये हो चुका है। फिल्म की सबसे बड़ी खासियत इसका बेहद कम बजट है। करीब 2 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने अपनी लागत के मुकाबले 100 गुना से ज्यादा का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है।

आने वाले वीकेंड में फिल्म की कमाई और बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। 'हनुमान अंश' आध्यात्मिक गुरु नीम करोली बाबा के जीवन पर आधारित है। पिछले कुछ वर्षों में कम बजट वाली डिवोशनल फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है। 'हनुमान', 'महावतार नरसिम्हा' और 'लालो कृष्ण सहायते' जैसी फिल्मों ने भी दर्शकों के बीच अपनी जगह बनाई है। अब 'हनुमान अंश' भी इसी सिलसिले को आगे बढ़ाती नजर आ रही है। जिस फिल्म को शुरुआत में सिनेमाघरों से हटने का सामना करना पड़ा था, वही अब बॉक्स ऑफिस पर बड़ा चमत्कार करती दिखाई दे रही है। अगर इसकी कमाई की यही रफ्तार बनी रही तो आने वाले दिनों में फिल्म अपने रिकॉर्ड को और मजबूत कर सकती है।

अक्षय-सैफ की 'हैवान' की धीमी शुरुआत

यूनिक समय, नई दिल्ली। अक्षय कुमार और सैफ अली खान की फिल्म 'हैवान' ने बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की है। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी यह फिल्म 11 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म ने पहले दिन भारत में करीब 3 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक, 'हैवान' के 7,224 शो में कुल ऑक्यूपेंसी करीब 11 प्रतिशत रही। सुबह के शो में दर्शकों की संख्या लगभग 5 प्रतिशत थी, जबकि दोपहर और शाम के शो में ऑक्यूपेंसी 12 प्रतिशत से ज्यादा पहुंची। रात के शो में यह आंकड़ा 18 प्रतिशत से अधिक रहा।

फिल्म की कहानी प्रियदर्शन की 2016 में रिलीज हुई मलयालम फिल्म 'ओप्पम' का हिंदी रीमेक है। इसमें अक्षय कुमार और सैफ अली खान के अलावा बोमन ईरानी, श्रिया पिलगांवकर और सैयामी खेर अहम भूमिकाओं में हैं। खास बात यह है कि फिल्म में अक्षय कुमार को एक अलग अंदाज में पेश किया गया है। प्रियदर्शन ने अक्षय के साथ पहले कॉमेडी

पहले दिन सिर्फ 3 करोड़ की कमाई

फिल्मों में काम किया है, लेकिन इस बार उन्हें अलग तरह के किरदार में उतारा गया है। निर्देशक का कहना है कि हर फिल्म का अंदाज एक जैसा नहीं होना चाहिए और इसी वजह से उन्होंने अक्षय को अलग भूमिका में कास्ट किया। 'हैवान' का मुकाबला सिनेमाघरों में 'मिर्जापुरः द मूवी' से भी है, जो पिछले सप्ताह रिलीज हुई थी। फिल्म ने अपने आठवें दिन 9 करोड़ रुपये की नेट कमाई की और भारत में इसका कुल नेट कलेक्शन 157.45 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। ऐसे में अब 'हैवान' के लिए वीकेंड बेहद अहम माना जा रहा है। फिल्म में मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल का कैमियो भी है। प्रियदर्शन ने इसे को-राइट और डायरेक्ट किया है, जबकि केवीएन प्रोडक्शंस और थेस्पियन फिल्म्स ने इसका निर्माण किया है। अब देखना होगा कि वीकेंड पर दर्शकों की बढ़ती संख्या फिल्म की कमाई को कितना रफ्तार देती है।

ज्वेरेव का फाइनल में जलवा, अब शेल्टन से होगी खिताबी भिड़ंत

यूनिक समय, नई दिल्ली। यूएस ओपन 2026 के पुरुष सिंगल्स फाइनल में अलेक्जेंडर ज्वेरेव और अमेरिका के बेन शेल्टन आमने-सामने होंगे। दोनों खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताबी मुकाबले में जगह बनाई है। फाइनल मुकाबला 14 सितंबर की सुबह खेला जाएगा। जर्मनी के ज्वेरेव के लिए यह यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचने का दूसरा मौका है। इससे पहले वह फाइनल में पहुंचे थे, लेकिन खिताब जीतने में सफल नहीं हो सके थे। अब उनके पास दूसरी बार ट्रॉफी अपने नाम करने का मौका है।

ज्वेरेव ने सेमीफाइनल में रूस के करेन खाचानोव को सीधे तीन सेटों में हराकर फाइनल का टिकट कटाया। मुकाबले के पहले सेट में उन्होंने 6-3 से आसान जीत दर्ज की। दूसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ और सेट टाई-ब्रेकर तक पहुंचा, जहां ज्वेरेव ने 7-6 से बाजी मारी। तीसरे सेट में भी खाचानोव ने कड़ी चुनौती दी, लेकिन ज्वेरेव ने एक बार फिर टाई-ब्रेकर में 7-6 से जीत दर्ज कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस साल यह ज्वेरेव का लगातार तीसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल है। उन्होंने फ्रेंच ओपन में खिताब जीता था, जबकि विंबलडन में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। दूसरी ओर, बेन शेल्टन पहली बार अपने करियर में किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंचे हैं। यूएस ओपन में उनका सफर बेहद शानदार रहा है। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने दिग्गज कार्लोस अल्कारेज को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। इसके बाद सेमीफाइनल में हमवतन फ्रांसेस टियाफो को चार सेटों में 3-1 से मात दी। शेल्टन ने पहला सेट 4-6 से गंवाया, लेकिन अगले तीन सेट 6-3, 6-3 और 7-5 से जीतकर फाइनल में जगह बना ली। हालांकि खिताबी मुकाबले में शेल्टन के सामने ज्वेरेव की बड़ी चुनौती होगी। दोनों के बीच अब तक पांच मुकाबले हुए हैं और हर बार ज्वेरेव ने जीत हासिल की है। ऐसे में शेल्टन के सामने इस रिकॉर्ड को बदलकर पहली ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी जीतने की चुनौती होगी।

मेरठ के होटल में भीषण आग 12 कमरे और दो कारें जलीं

पार्किंग से भड़की आग ने पूरे होटल को लिया चपेट में

इंडियन बैंक तक पहुंची लपटें, छह दमकल गाड़ियों ने संभाला मोर्चा

यूनिक समय, मेरठ। परतापुर थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर दिल्ली रोड स्थित अविका होटल में अचानक भीषण आग लग गई। पार्किंग से शुरू हुई आग कुछ ही देर में विकराल हो गई और होटल के कमरों तक पहुंच गई। आग की लपटें देखकर होटल में मौजूद लोगों में अफरा–तफरी मच गई। कर्मचारियों और ठहरे हुए लोगों को तत्काल बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, करीब 11:30 बजे होटल की पार्किंग में अचानक आग लगी। देखते ही देखते वहां खड़ी ईऑन और ब्रेजा कार आग की चपेट में आ गईं। दोनों वाहन पूरी तरह जल गए। इसके बाद आग होटल के अंदर फैल गई और सभी 12 कमरे इसकी चपेट में आ गए। कमरों में रखा फर्नीचर और अन्य सामान भी जलकर खाक हो गया।

आग की उंची लपटें और धुएं का गुबार देखकर आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। होटल से सटी इंडियन बैंक की शाखा की ओर भी आग बढ़ने लगी।

इससे बैंक कर्मचारियों और ग्राहकों में भी अफरा–तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की छह गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने आग को बैंक की ओर फैलने से रोकने के साथ बुझाने का अभियान शुरू किया।

करीब आधे से एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। एसपी सिटी विनायक गोपाल भोसले के अनुसार होटल को पूरी तरह खाली करा लिया गया था। सभी कमरों की जांच की गई और कोई व्यक्ति अंदर फंसा नहीं मिला। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। प्रारंभिक जांच में आग का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। पुलिस और अग्निशमन विभाग घटना की जांच कर रहे हैं।

दिनदहाड़े युवक की हत्या आरोपी के घर चला बुलडोजर

शव सड़क पर रखकर परिजनों ने लगाया जाम एनकाउंटर की मांग

चार महीने पहले हुई थी शादी, दिल्ली पुलिस भर्ती की कर रहा था तैयारी

यूनिक समय, मेरठ। हस्तिनापुर में शुक्रवार को दिनदहाड़े 22 वर्षीय नितिन नागर की गोली मारकर हत्या के बाद शनिवार को जमकर हंगामा हुआ। परिजनों ने बेटे का शव गणेशपुर तिराहे पर रखकर जाम लगा दिया। उनकी मांग थी कि जब तक आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और एनकाउंटर नहीं होता, शव नहीं उठाया जाएगा। करीब 500 लोगों के जुटने से यातायात बाधित हो गया। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी लोगों को समझाने में जुटे रहे।

मामला बढ़ने पर आरोपी सत्य उर्फ मिट्टू के घर पर बुलडोजर कार्रवाई शुरू की गई। आरोपी परिवार समेत फरार बताया जा रहा है। कार्रवाई के दौरान मकान में गाय बंद होने की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने ताला तोड़कर उसे बाहर निकाला। इसके बाद बुलडोजर चलाया गया। मौके पर एसपी देहात अभिजीत कुमार समेत पांच थानों की पुलिस मौजूद रही।

नितिन बहसूमा क्षेत्र के माननगर गांव का रहने वाला था और दिल्ली पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहा था। वह लिखित परीक्षा पास कर चुका था और तीन अक्टूबर को उसका शारीरिक परीक्षण होना था। चार महीने पहले ही उसकी शादी हुई थी।

पुलिस के अनुसार, नितिन अपने दोस्त प्रिंस के साथ दौड़ लगाने के बाद लौट रहा था। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के पास दो बाइकों से आए छह हमलावरों ने फायरिंग कर दी। प्रिंस छिपकर बच गया, जबकि नितिन की जांघ में गोली लगी। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि दो दिन पहले प्रिंस का पड़ोसी विवेक वर्धन उर्फ पिंकी चौधरी से रास्ते को लेकर विवाद हुआ था। समझौते के बावजूद शुक्रवार को प्रिंस पर हमला किया गया। इसी दौरान नितिन गोली का शिकार हो गया। पुलिस मुख्य आरोपी समेत अन्य हमलावरों की तलाश में जुटी है।

हाईकोर्ट ने चंद्रचूड़ की एफआईआर मामले में गिरफ्तारी रोकी

चचेरे भाई और चाची को मिली राहत, राज्य सरकार से मांगा जवाब

यूनिक समय, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फिल्म अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह और उनके भाई अभिमन्यु सिंह की ओर से दर्ज कराई गई एफआईआर के मामले में चचेरे भाई जय सिंह और चाची गायत्री देवी की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। दोनों ने अलीगढ़ में दर्ज एफआईआर को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

न्यायमूर्ति सीडी सिंह और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान प्रथम दृष्टया मामले को देखते हुए गिरफ्तारी पर रोक लगाई। कोर्ट ने राज्य सरकार और वादी पक्ष से जवाब भी मांगा है। याचियों की ओर से बताया गया कि जय सिंह और गायत्री देवी स्वीडन के नागरिक हैं।

मामला हवेली जलालपुर एस्टेट से जुड़ी पुश्तैनी संपत्ति को लेकर है। अभिनेता पक्ष का आरोप है कि उनके दादा हरेंद्र पाल सिंह के नाम की फर्जी और अपंजीकृत वसीयत तैयार कर पारिवारिक संपत्ति पर कब्जे और उसे बेचने का प्रयास किया गया। अभिनेता ने दावा किया कि दादा गंभीर रूप से बीमार थे और वसीयत बनाने की स्थिति में नहीं थे। मामले में सात लोगों के नाम सामने आए हैं। जांच आगे बढ़ने पर अन्य नाम भी सामने आने की बात कही गई है।

भाजपा नेता पर गुंडा एक्ट सियासी घमासान तेज

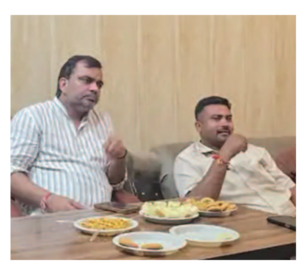

पूर्व चेयरमैन राजू लोधी ने कार्रवाई को बताया राजनीतिक साजिश

भाजपा नेताओं ने पुलिस कार्रवाई पर जताया विरोध, जांच जारी

यूनिक समय, बुलंदशहर। औरंगाबाद नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता राजू लोधी के खिलाफ पुलिस ने गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई की है। कार्रवाई के बाद जिले में सियासी हलचल तेज हो गई है। राजू लोधी और उनके भाई के खिलाफ हुई कार्रवाई को भाजपा नेताओं ने गलत और दुर्भावनापूर्ण बताया है।

राजू लोधी ने इसे राजनीतिक साजिश करार देते हुए पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। वह बुलंदशहर सांसद एवं भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री डॉ. भोला सिंह के करीबी माने जाते हैं। मामले को लेकर भाजपा संगठन ने भी विरोध जताया है।

भाजपा जिलाध्यक्ष विकास चौहान ने कार्रवाई को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। जिला महामंत्री दीपक दुल्हेरा राजू लोधी के घर पहुंचे और परिवार से मुलाकात कर पार्टी की ओर से समर्थन जताया। उन्होंने कहा कि किसी कार्यकर्ता का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

वहीं, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। गुंडा एक्ट की कार्रवाई को लेकर पुलिस और भाजपा नेताओं के बीच खींचतान बढ़ती दिखाई दे रही है।

छत से गिरने के बाद महिला की मौत, ससुरालियों पर आरोप

मायके वालों ने लगाया दहेज में स्कॉर्पियो मांगने का आरोप

पति समेत पांच पर मुकदमा घटना का सीसीटीवी वीडियो सामने आया

यूनिक समय, गाजियाबाद। मुरादनगर थाना क्षेत्र में दूसरी मंजिल से गिरने के बाद घायल हुई महिला आकृति सिंह की चार दिन इलाज के बाद मौत हो गई। मायके वालों ने पति पर मारपीट करने और छत से धक्का देने का आरोप लगाया है। घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है, जिसमें महिला रात के समय छत से नीचे गिरती दिखाई दे रही है।

आकृति ने करीब छह महीने पहले परिवार की इच्छा के खिलाफ गौरव से मंदिर में शादी की थी। मायके वालों का आरोप है कि शादी के बाद ससुराल पक्ष दहेज में स्कॉर्पियो और 30 लाख रुपये की मांग कर रहा था। मांग पूरी नहीं होने पर पति आए दिन उसके साथ मारपीट करता था। आकृति के भाई प्रभात के मुताबिक, सात सितंबर को बहन ने फोन कर बताया था कि ससुराल के लोग उसके साथ मारपीट कर रहे हैं। कुछ देर बाद गौरव ने फोन करके बताया कि आकृति छत से गिर गई है। अस्पताल में चार दिन उपचार के बाद 11 सितंबर की रात उसकी मौत हो गई।

मौत के बाद पति गौरव, ससुर रमेश, सास सरोज और ननद सोनी व नेहा फरार हो गए। पुलिस ने पांचों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि महिला की मौत की परिस्थितियों की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे कार्रवाई होगी।

किताबों से जुड़कर युवा बढ़ाएं ज्ञान का दायरा

सीएम योगी ने किया नौ दिवसीय गोमती पुस्तक महोत्सव का शुभारंभ

121 प्रकाशकों के 250 स्टॉल, छात्रों से अच्छी किताबें खरीदने की अपील

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में शनिवार को नौ दिवसीय पांचवें गोमती पुस्तक महोत्सव–2026 का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। उन्होंने पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन किया और छात्रों से पाठ्यक्रम की पुस्तकों के साथ अच्छी साहित्यिक व ज्ञानवर्धक पुस्तकें खरीदकर पढ़ने की अपील की। महोत्सव में 121 प्रकाशकों के करीब 250 स्टॉल लगाए गए हैं, जहां हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू और अवधी समेत कई भाषाओं की हजारों किताबें उपलब्ध हैं। पुस्तक महोत्सव में प्रवेश निशुल्क रखा गया है।

मुख्यमंत्री ने बच्चों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पुस्तक 'एग्जाम वॉरियर्स' भी वितरित की। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक केवल विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि हर युवा और नागरिक के लिए उपयोगी है। जीवन में हर व्यक्ति को किसी न किसी परीक्षा से गुजरना पड़ता है। ऐसे समय में यह पुस्तक मार्गदर्शन और आत्मविश्वास देने का काम कर सकती है।

सीएम योगी ने कहा कि यह कहना गलत है कि आज का युवा किताबें नहीं पढ़ता। जरूरत पुस्तकों को युवाओं तक पहुंचाने की है। पुस्तक मेले ज्ञान, विचार और रचनात्मकता के आदान–प्रदान का महत्वपूर्ण मंच हैं। उन्होंने युवाओं से अपना 'बुक बैंक' बनाने और खाली समय में किताबें पढ़ने की आदत विकसित करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने डिजिटल युग का उल्लेख करते हुए कहा कि तकनीक ने गांव और शहर की दूरी कम की है। प्रदेश की ग्राम पंचायतों में पुस्तकालय और डिजिटल सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि ज्ञान को सीमित दायरे में नहीं बांधना चाहिए। अलग–अलग विषयों की पुस्तकें पढ़ने से युवाओं की सोच व्यापक होती है और उन्हें जीवन में नई दिशा मिलती है। महोत्सव में अगले नौ दिनों तक पुस्तकों के विमोचन, लेखकों से संवाद और साहित्यिक गतिविधियां आयोजित होंगी।

हवा में इंजन फेल, अलायंस एयर की इमरजेंसी लैंडिंग

यूनिक समय, प्रयागराज। अलायंस एयर की फ्लाइट 9आई–698 के एक इंजन में शुक्रवार को हवा में तकनीकी खराबी आने से हड़कंप मच गया। प्रयागराज से दिल्ली जा रहे विमान के पायलट ने मेरठ के आसपास इंजन में समस्या की जानकारी एटीसी को दी और दिल्ली में आपात लैंडिंग की अनुमति मांगी।

सूचना मिलते ही इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर इमरजेंसी घोषित कर जरूरी सुरक्षा इंतजाम किए गए। विमान को दूसरे इंजन की मदद से दोपहर करीब 2:15 बजे सुरक्षित उतार लिया गया। विमान में क्रू सदस्यों समेत 40 लोग सवार थे और सभी सुरक्षित रहे। लैंडिंग तक करीब 30 मिनट रनवे खाली रखा गया। फ्लाइट ने दोपहर 12:33 बजे प्रयागराज से दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी। इससे पहले विमान सुबह बिलासपुर से प्रयागराज पहुंचा था।

ब्रिक्स में पीएम मोदी का बड़ा दांव, वैश्विक शासन सुधार के लिए रखे 10 प्रस्ताव

यूनिक समय, नई दिल्ली। नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स समिट 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक शासन व्यवस्था में सुधार की जोरदार पैरवी की। दुनिया के नेताओं को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत के लिए मानवता सर्वोपरि है और आपसी सहयोग उसकी प्राथमिकता है। ब्रिक्स की 20वीं वर्षगांठ का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि संगठन अब परिपक्वता के दौर में पहुंच चुका है और समय आ गया है कि इसकी एकता और सहमति को वैश्विक मंच पर ठोस नतीजों में बदला जाए।

पीएम मोदी ने कहा कि ब्रिक्स को अगले 20 वर्षों के लिए बड़े और महत्वाकांक्षी एजेंडे पर काम करना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि अध्यक्षता हर साल बदलने के बावजूद संगठन के कामकाज और फैसलों की गति प्रभावित नहीं होनी चाहिए। इसके लिए उन्होंने ट्रोइका व्यवस्था के जरिए पहलों और उनके परिणामों पर लगातार निगरानी रखने का प्रस्ताव दिया। साथ ही, नोडल अधिकारियों, समय-सीमा और फैसलों की प्रगति का रिकॉर्ड रखने के लिए सुरक्षित डिजिटल रिपॉजिटरी बनाने की बात कही।

प्रधानमंत्री ने वैश्विक शासन व्यवस्था को एक ऐसे पिरामिड से तुलना की, जिसमें निर्णय लेने की शक्ति कुछ देशों के पास केंद्रित है, जबकि कई देश फैसलों से प्रभावित होने के बावजूद उन्हें बनाने में पर्याप्त भूमिका नहीं निभा पाते। उन्होंने कहा कि इस 'विशेषाधिकार के पिरामिड' को 'साझेदारी के मंच' में बदलने की जरूरत है, जहां हर देश की आवाज सुनी जाए और सभी की भागीदारी सुनिश्चित हो।

इसी दिशा में पीएम मोदी ने ब्रिक्स देशों से वैश्विक शासन में सुधार के लिए 10 प्रस्ताव तैयार करने का आह्वान किया, ताकि अगली समिट तक इन्हें ब्रिक्स सुधार रोडमैप में बदला जा सके। उन्होंने प्रतिनिधित्व, जवाबदेही और नियम बनाने को प्रमुख प्राथमिकताएं बताया। पीएम मोदी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सिक्योरिटी काउंसिल में सुधार को अब और टाला नहीं जा सकता। उन्होंने वित्तीय संस्थानों में वोटिंग पावर, नेतृत्व और नीतिगत प्राथमिकताओं को मौजूदा आर्थिक वास्तविकताओं के अनुरूप बनाने की भी वकालत की।

पीएम मोदी ने समुद्री नाविकों के लिए 'इमरजेंसी सपोर्ट नेटवर्क' बनाने का सुझाव दिया, जिससे संकट के समय मेडिकल मदद, परिवारों को सूचना और सुरक्षित निकासी में सहायता मिल सके। इसके अलावा एआई, साइबरस्पेस, अंतरिक्ष, बायोटेक्नोलॉजी और अन्य उभरती तकनीकों के वैश्विक नियम बनाने में ग्लोबल साउथ की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ को सिर्फ नियमों का पालन करने वाला नहीं, बल्कि नियम बनाने वाला पक्ष बनना चाहिए। इसके लिए युवा राजनयिकों और नीति-निर्माताओं को प्रशिक्षण और कानूनी विशेषज्ञता देने का प्रस्ताव रखा गया। पीएम मोदी ने कहा कि अगर भविष्य साझा है, तो उसे आकार देने का अधिकार भी साझा होना चाहिए।

बसपा में परिवारवाद पर मायावती का बड़ा फैसला

बेटों का पत्ता साफ

यूनिक समय, नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने पार्टी में परिवारवाद को लेकर बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने साफ कर दिया कि उनके छोटे भाई आनंद कुमार के बेटे आकाश और ईशान को पार्टी में किसी भी छोटे या बड़े राजनीतिक पद पर जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी। हालांकि, आनंद कुमार की बेटी कुमारी दीपिका आनंद के लिए उन्होंने भविष्य में पार्टी में जिम्मेदारी का रास्ता खुला रखा है। मायावती ने कहा कि उनका पूरा ध्यान बहुजन समाज के हित, कल्याण और उसे अपने पैरों पर खड़ा करने पर है। उन्होंने कांशीराम की विचारधारा का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने भी अपने परिवार के सदस्यों और युवा रिश्तेदारों को पार्टी के काम तक सीमित रखा और उन्हें सांसद, विधायक या मंत्री जैसे राजनीतिक पदों से दूर रखा।

दीपिका आनंद फिलहाल वकालत की पढ़ाई कर रही हैं। मायावती के मुताबिक, अगर भविष्य में आनंद कुमार को उनकी मदद की जरूरत होती है तो वह उनकी सहायता कर सकती हैं। उनकी ईमानदारी, वफादारी और कार्यक्षमता को देखते हुए आगे चलकर उन्हें पार्टी में जरूरत के मुताबिक जिम्मेदारी दी जा सकती है। वहीं आकाश और ईशान को लेकर मायावती ने अपना रुख बिल्कुल स्पष्ट रखा।

उन्होंने कहा कि वह न तो उन्हें जिम्मेदारी सौंपेंगी और न ही भविष्य में उनके बच्चों को यह अवसर दिया जाएगा। अगर दीपिका जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार नहीं होती हैं तो पार्टी की आम सहमति से किसी समर्पित दलित मिशनरी कार्यकर्ता को जिम्मेदारी दी जा सकती है। मायावती ने कहा कि बसपा को परिवारवाद से मुक्त रखना उनकी प्राथमिकता है और वह किसी पारिवारिक दबाव में नहीं आएंगी। साथ ही उन्होंने निष्कासित नेताओं की वापसी की खबरों को फेक न्यूज बताते हुए साफ किया कि अनुशासनहीनता या पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण निकाले गए नेताओं को वापस नहीं लिया जाएगा।

जामिया हॉस्टल में फिर बवाल छात्राओं ने लगाए गंभीर आरोप

यूनिक समय, नई दिल्ली। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के जम्मू-कश्मीर गर्ल्स हॉस्टल की छात्राओं ने मेस की कथित बदइंतजामी और खराब व्यवस्था को लेकर फिर प्रदर्शन शुरू कर दिया है। छात्राओं का आरोप है कि पिछले प्रदर्शन के दौरान प्रशासन ने उनकी चार मांगों को लिखित रूप से स्वीकार किया था, लेकिन बाद में उन्हें लागू नहीं किया गया।

प्रदर्शनकारी छात्राओं के मुताबिक, 11 सितंबर को उन्हें सुबह नाश्ता नहीं दिया गया और दोपहर का खाना भी तीन बजे के बाद परोसा गया। उनका आरोप है कि मेस में पुरुष कर्मचारी भी मौजूद थे। छात्राओं ने खाना लेने के लिए नाम और मोबाइल नंबर मांगे जाने का भी विरोध किया। उनका कहना है कि इस जानकारी का इस्तेमाल प्रदर्शन में शामिल छात्राओं की निगरानी के लिए किया जा सकता है। छात्राओं ने आरोप लगाया कि मेस ठेकेदार बदलने की बात भी पूरी तरह लागू नहीं हुई। उनका दावा है कि वही व्यक्ति दूसरे नाम से खाना उपलब्ध करा रहा है। साथ ही पुरुष कर्मचारियों को हटाकर महिला स्टाफ नियुक्त करने की मांग के बावजूद नए पुरुष कर्मचारियों को तैनात कर दिया गया। ऐसा की जामिया यूनिट के सचिव सौरभ ने भी प्रशासन पर छात्राओं को धमकाने और दबाव बनाने के आरोप लगाए। उनके मुताबिक, शिकायत करने वाली छात्राओं और उनके अभिभावकों को हॉस्टल से निकालने की धमकी तक दी गई। छात्राओं की चार प्रमुख मांगों में मौजूदा मेस ठेकेदार का कॉन्ट्रैक्ट रद्द करना, केवल महिला कर्मचारियों की तैनाती, प्रोवोस्ट और वार्डन का इस्तीफा और प्रदर्शनकारी छात्राओं के खिलाफ किसी तरह की प्रशासनिक कार्रवाई नहीं करना शामिल है।

मुंबई में छह बिल्लियों की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

50 हजार का था इनाम

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई के गोवंडी इलाके में छह बिल्लियों की कथित तौर पर बेरहमी से हत्या करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान शिवा के रूप में हुई है। इस मामले में पशु अधिकार संगठन पेटा इंडिया ने आरोपी की जानकारी देने वाले को 50 हजार रुपये का इनाम देने का ऐलान किया था। पुलिस के मुताबिक, गोवंडी में एक बिल्ली और उसके बच्चे की हत्या के मामले में आरसीएफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ा है। इस संबंध में रुबीना पठान की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपराध कबूल किया है। हालांकि, बिल्लियों की हत्या के पीछे उसकी वजह और मानसिकता क्या थी, इसकी जांच अभी जारी है। मामले के सामने आने के बाद इलाके में बिल्लियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई थी। पुलिस छह बिल्लियों की मौत से जुड़े मामले की कड़ियों की भी जांच कर रही है। पेटा इंडिया की ओर से इनाम घोषित किए जाने के बाद आरोपी की तलाश और तेज कर दी गई थी। भारत में सबसे ज्यादा देसी बिल्लियां पाई जाती हैं। ये घरों, गलियों और छतों पर आसानी से नजर आती हैं। इनके अलावा पर्शियन, सियामी, बंगाल, बॉम्बे और हिमालयन जैसी नस्लें भी लोगों के बीच लोकप्रिय हैं। देसी बिल्लियां भारतीय मौसम के अनुकूल मानी जाती हैं और आमतौर पर स्वतंत्र, जिज्ञासु तथा चंचल स्वभाव की होती हैं। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मामले की आगे की जांच कर रही है।

ब्रिक्स समिट में भारत की मेहमाननवाजी ने जीता जर्मन पत्रकार का दिल

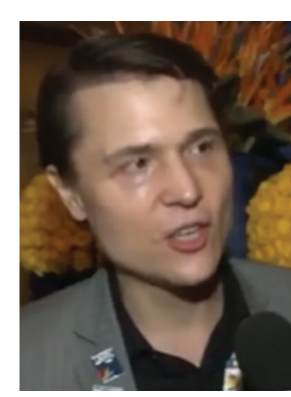

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की तैयारियों और व्यवस्थाओं की जर्मन मीडिया डेलिगेट बेन ने जमकर तारीफ की। उन्होंने भारत को अपनी उम्मीदों से कहीं बेहतर बताया और कहा कि यहां सम्मेलन का आयोजन शानदार तरीके से किया जा रहा है।

बेन ने खास तौर पर मीडिया किट की तारीफ करते हुए कहा कि वह ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स सम्मेलनों में शामिल हो चुके हैं, लेकिन भारत में मिला मीडिया बैग उन्हें सबसे बेहतर लगा।

बेन के मुताबिक, मीडिया किट में वीगन सुपर फूड, कॉफी, हल्का मग, खूबसूरत स्कार्फ और बोतल समेत कई उपयोगी सामान दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत में ब्रिक्स को लेकर किए गए इंतजामों ने उन्हें काफी प्रभावित किया है। 12 और 13 सितंबर को भारत मंडपम में आयोजित ब्रिक्स समिट के साथ दिल्ली में ब्रिक्स बाज़ार भी आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यह बाजार 10 से 15 सितंबर तक चलेगा, जहां सदस्य और साझेदार देशों की पारंपरिक कला, हस्तशिल्प, हथकरघा और सांस्कृतिक विरासत देखने को मिल रही है।

ब्रिक्स बाज़ार में बेलारूस की विलो वीविंग, ब्राजील की पारंपरिक क्ले आर्ट, कजाकिस्तान के चांदी के आभूषण और ईरान की बलूची कढ़ाई खास आकर्षण हैं। ब्राजील की मिट्टी कला को वहां की हजारों साल पुरानी परंपराओं से जोड़ा जाता है, जबकि ईरान की बलूची कढ़ाई पीढ़ियों से महिलाओं के जरिए आगे बढ़ती रही है। समिट के चलते दिल्ली में सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम किए गए हैं। बेन की तारीफ से साफ है कि भारत ने ब्रिक्स सम्मेलन को सिर्फ बैठकों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि आयोजन, मीडिया सुविधाओं और सांस्कृतिक विरासत की झलक के जरिए भी अपनी अलग छाप छोड़ी है।

सैन्य ड्रिल खत्म होते ही किम का पलटवार, समुद्र में दागीं मिसाइलें

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान की पांच दिवसीय सैन्य ड्रिल खत्म होते ही उत्तर कोरिया ने कई कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें समुद्र की ओर दाग दीं। दक्षिण कोरिया के मुताबिक, मिसाइलें करीब 250 किलोमीटर तक गईं। करीब तीन सप्ताह बाद उत्तर कोरिया का यह पहला बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च है। प्योंगयांग इन सैन्य अभ्यासों को अपने खिलाफ उकसावे की कार्रवाई मानता है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अनुसार, मिसाइलें उत्तर कोरिया के पूर्वी तटीय इलाके वॉनसान से दागी गईं। लॉन्च के बाद दक्षिण कोरियाई सेना ने निगरानी बढ़ा दी और अमेरिका तथा जापान के साथ जानकारी साझा की। दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने उत्तर कोरिया से ऐसे मिसाइल परीक्षण रोकने की अपील की है।

तीनों देशों ने शुक्रवार को 'फ्रीडम एज' सैन्य अभ्यास पूरा किया था। इसमें हवा, समुद्र और साइबर क्षेत्र में संयुक्त अभ्यास के अलावा समुद्री युद्धाभ्यास, हवा में ईंधन भरने और मेडिकल ड्रिल शामिल थीं। अमेरिका और दक्षिण कोरिया इसे रक्षात्मक अभ्यास बताते हैं, लेकिन उत्तर कोरिया इसे संभावित हमले की तैयारी मानता है। अमेरिकी पैसिफिक कमांड ने कहा कि मिसाइल लॉन्च से अमेरिका या उसके सहयोगियों के लिए तत्काल कोई खतरा नहीं है। वहीं उत्तर कोरिया पहले ही ऐसे अभ्यासों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दे चुका था। किम जोंग उन लगातार उत्तर कोरिया की परमाणु क्षमता बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं।

कोसी–कोटवन में जहरीले धुएं से सांसों पर संकट, छह गांवों में आक्रोश

टायर और थर्माकोल फैक्ट्रियों के धुएं से ग्रामीणों का जीना मुश्किल

13 मौतों का दावा रविवार को मंत्री आवास तक आक्रोश रैली निकालेंगे ग्रामीण

यूनिक समय, कोसीकलां। कोसी–कोटवन क्षेत्र के नवीपुर औद्योगिक क्षेत्र में संचालित टायर जलाने और थर्माकोल बनाने वाली फैक्ट्रियों को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि फैक्ट्रियों की चिमनियों से निकलने वाला काला धुआं और केमिकलयुक्त पानी आसपास के छह गांवों के लिए गंभीर समस्या बन गया है। उनका कहना है कि शाम होते ही कई गांवों में धुएं की चादर छा जाती है। आंखों में जलन, सांस लेने में परेशानी और त्वचा संबंधी समस्याओं से लोग परेशान हैं। ग्रामीणों के अनुसार, फैक्ट्रियों से निकलने वाला गंदा पानी खेतों और नालों में छोड़े जाने से फसलों और भूजल पर भी असर पड़ रहा है। कई एकड़ में खड़ी फसल खराब होने और हैंडपंपों के पानी की गुणवत्ता प्रभावित होने का दावा किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रदूषण का असर बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं पर अधिक दिखाई दे रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने पहले भी प्रशासन को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की थी, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। इससे फैक्ट्री संचालकों के खिलाफ नाराजगी और बढ़ गई है। इससे पहले ग्रामीण कोसी–कोटवन औद्योगिक क्षेत्र में प्रदर्शन कर मोनी बाबा के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भी सौंप चुके हैं।

ग्रामीणों के ज्ञापन में 13 मौतों का दावा

ग्राम पंचायत कोटवन के प्रधान कमल सिंह समेत अन्य प्रधानों की ओर से एसडीएम छाता और डीएम को दिए गए पत्र में प्रदूषण से अब तक करीब 13 लोगों की कैंसर और गंभीर सांस संबंधी बीमारियों से मौत होने का दावा किया गया है। ग्रामीणों ने गांवों में स्वास्थ्य शिविर लगाकर लोगों की जांच कराने की मांग भी की है।

रविवार को मंत्री आवास पर देंगे ज्ञापन

प्रशासन की ओर से कार्रवाई न होने का आरोप लगाते हुए छह गांवों के प्रधान रविवार को दर्जनों ग्रामीणों के साथ आक्रोश रैली निकालेंगे। रैली कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण के आवास पर पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपेगी। ग्रामीणों की मांग है कि टायर जलाने और थर्माकोल बनाने वाली फैक्ट्रियों की प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से तत्काल जांच कराई जाए। मानकों का उल्लंघन मिलने पर लाइसेंस निरस्त कर फैक्ट्रियां बंद कराने और प्रभावित गांवों में स्वास्थ्य जांच शिविर लगाने की मांग की गई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि कार्रवाई नहीं हुई तो बड़े आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा।

कोसीकलां बाईपास पर पुल की मांग तेज

सांसद हेमा मालिनी को ज्ञापन देते कन्हैया लाल गोयल और अन्य लोग।

सांसद हेमा मालिनी को भाजपा नेताओं ने सौंपा रिमाइंडर पत्र

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर की सबसे बड़ी समस्या बने राष्ट्रीय राजमार्ग–19 बाईपास शालीमार कट पर पुल निर्माण को लेकर अब भाजपा के अंदर से ही आवाज उठने लगा है। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष कन्हैयालाल गोयल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सांसद हेमा मालिनी के आवास पर उन्हें रिमाइंडर पत्र सौंपा। पत्र में कोसीकलां बाईपास पर शालीमार कट पुल के निर्माण, दोनों तरफ अधूरी पड़ी सर्विस रोडों को पूरा कराने और अधिग्रहण की गई जमीनों के मुआवजे का भुगतान कराने की मांग की गई है। इस दौरान कन्हैयालाल गोयल के साथ कोसीकलां के ब्रांड एंबेसडर राजेश अग्रवाल, मंडल कोषाध्यक्ष वासुदेव पंडित, राधे और किशन चौधरी मौजूद रहे। भाजपा नेता कन्हैयालाल गोयल ने सांसद को याद दिलाया कि 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने कोसीकलां की जनता से वादा किया था कि चुनाव जीतते ही शालीमार कट पर पुल बनवा देंगी और अधूरी सर्विस रोडों को पूरा कराकर किसानों को उनका मुआवजा दिला देंगी। दो साल बीत जाने के बाद भी धरातल पर एक ईंट तक नहीं लगी है, जबकि छाता, मथुरा और फरह में आपके प्रयास से कई पुल स्वीकृत हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि यह कोई सामान्य कट नहीं है, बल्कि कोसीकलां, नंदगांव, बरसाना, गोवर्धन से लेकर राजस्थान के कामां, भरतपुर, अलवर, पहाड़ी तक को जोड़ने वाला मुख्य द्वार है। कोसी के औद्योगिक क्षेत्र और शनिधाम होने के कारण यहां से रोजाना हजारों ट्रक और वाहन गुजरते हैं। शुक्रवार और शनिवार को ब्रज में बरसाना–गोवर्धन दर्शन के लिए आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के कारण यहां कई–कई किलोमीटर लंबा जाम लग जाता है। पुल न होने से आए दिन हादसे हो रहे हैं और किसानों को मुआवजा न मिलने से उनमें भी रोष है। सांसद हेमा मालिनी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि वे जल्द ही केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर कोसीकलां बाईपास के पुल और सर्विस रोड के कार्य को प्राथमिकता पर कराएंगी।

रेलवे स्टेशन के बाहर से मोटरसाइकिल चोरी

यूनिक समय, मथुरा। जंक्शन रेलवे स्टेशन के बाहर पार्किंग के पास खड़ी मोटरसाइकिल चोरी हो गई।
मामले में केशव कुंज कॉलोनी गणेशरा थाना हाईवे ने कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।
सत्यप्रकाश गौतम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह 22 अगस्त को मोटरसाइकिल से मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। सुबह करीब 5:25 बजे उन्होंने मोटरसाइकिल स्टेशन के बाहर पार्किंग के पास खड़ी की और ट्रेन से फरीदाबाद चले गए। शाम करीब सात बजे वापस लौटने पर मोटरसाइकिल मौके से गायब मिली।
आसपास तलाश करने के बाद भी वाहन का कोई पता नहीं चला। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दहेज हत्या में वांछित गिरफ्तार

यूनिक समय,मथुरा। बल्देव पुलिस ने हत्या के मामले में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। थाना बल्देव के गांव सराय दाऊद में रहने वाले अभियुक्त विपिन कुमार की पत्नी ने फांसी लगा कर आत्म हत्या कर ली थी। इस मामले में महिला के भाई ने थाना बल्देव में बहन को दहेज के लिए प्रताड़ित करने और मानसिक तौर पर परेशान करने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई, जिसके कारण वह आत्महत्या के लिए मजबूर हो गई। पुलिस ने इस मामले में विपिन को नगला मोहन के पास सराय दाऊद जुगसना रोड के समीप से गिरफ्तार किया है।

मारपीट और गाली गलौज के आरोप में तीन के खिलाफ मुकदमा

यूनिक समय, गोवर्धन। थाना गोवर्धन क्षेत्र के गांव मडौरा निवासी सावित्री ने तीन लोगों के खिलाफ मारपीट, गाली–गलौज और धमकी देने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस को दी तहरीर में पीड़िता ने बताया कि 11 सितंबर को उनके पति हरवीर के साथ गांव मडौरा निवासी राहुल, जगनी और राकेश ने ताश खेलने को लेकर विवाद करते हुए मारपीट और गाली–गलौज की। आरोप है कि मारपीट में हरवीर के नाक में गंभीर चोट आई। पीड़िता ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने उन्हें धमकी भी दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रास्ता रोककर मारपीट धमकी देने का आरोप

यूनिक समय, छाता। थाना क्षेत्र के गांव नरीं निवासी कृष्ण कन्हैया ने पुलिस को दी तहरीर में गांव के ही हंसराज के खिलाफ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है।
पीड़ित के अनुसार 11 सितंबर को करीब 10:30 बजे वह अपने रिक्शा से सफाई का मलबा भरने गया था। रिक्शा खड़ा करते समय वह हंसराज की दीवार से टच हो गया।
इसी बात को लेकर हंसराज ने उसका रास्ता रोककर लाठी से सिर में प्रहार कर दिया, जिससे उसे गंभीर चोट आई। आरोप है कि इसके बाद गाली–गलौज करते हुए उसे जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

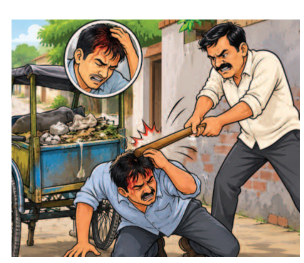

अवैध सबंधों की वजह से हुई ठेकेदार की हत्या, हत्यारोपित गिरफ्तार

यूनिक समय,मथुरा। वृंदावन के चेतन्य विहार फेस टू कॉलोनी में हुई ठेकेदार की हत्या के मामले में पुलिस ने हत्या करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। हत्या के पीछे महिला से अवैध संबंधों का मामला बताया जा रहा है।
चेतन्य विहार कॉलोनी में पप्पू यादव की हत्या हो गई थी। इस मामले में उसके भाई राजेश ने थाना वृंदावन में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस टीमों ने हत्या में शामिल अभियुक्त कन्हैया को तलाश कर गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में पकड़े गए अभियुक्त कन्हैया ने बताया कि हत्या के पीछे उसके परिवार की एक महिला से अवैध संबंध थे, जिसके कारण उसकी हत्या की गई है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त को कोर्ट में पेश किया।

युवती को बहला–फुसलाकर ले जाने का आरोप, मुकदमा दर्ज

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोविंद नगर के मोहन नगर निवासी एक व्यक्ति ने थाना में तहरीर देकर अपनी 18 वर्षीय पुत्री के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई है। तहरीर के अनुसार आठ सितंबर को उनकी पुत्री को विष्णु निवासी लक्ष्मीनगर मायावती कॉलोनी यमुना मार्ग थाना गोविंद नगर बहला–फुसलाकर अपने साथ ले गया। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन युवती का कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद पिता ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी विष्णु के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी और युवती की तलाश में जुटी है, मामले की जांच की जा रही है।

मंदिर पर धरने पर बैठीं दो बहुओं ने एसएसपी के नाम सौंपा ज्ञापन

बोलीं, तीन दिन में न्याय नहीं मिला तो फिर बैठेंगी धरने पर

यूनिक समय, कोसीकलां। थाना क्षेत्र के गांव गिडोह के बहके वाले मंदिर पर धरना–प्रदर्शन कर रहीं दो बहुओं ने एसएसपी के नाम थाना प्रभारी निरीक्षक कोसीकलां को नौ सूत्रीय ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन देने वाली महिलाओं ने चेतावनी दी है कि अगर तीन दिन के अंदर उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो वे फिर से मंदिर पर धरने पर बैठ जाएंगी।

अपराध निरीक्षक सुरेंद्र सिंह को ज्ञापन देतीं महिलाएं।

बता दें कि पारिवारिक विवाद और पुलिस कार्रवाई से आहत होकर दो बहुएं मंदिर परिसर में धरने पर बैठी थीं। काफी समझाने के बाद उन्होंने धरना समाप्त कर एसएसपी के नाम ज्ञापन दिया है। पीड़ित बहुओं ने ज्ञापन में आरोप लगाया कि उनकी शैक्षिक योग्यता के सर्टिफिकेट, और मकानो के संपत्ति पंजीकरण कागजात ससुराल पक्ष ने रख लिए हैं, जो वापस दिलाए जाएं। सारे मुकदमों में पुलिस चार्जशीट नहीं लगा रही है, जिससे उन्हें न्याय नहीं मिल पा रहा। साथ ही गांव भूपगढ़ में ससुरालजनों द्वारा बेचे गए सामान (लेजर लैंड लेवलर) की रिकवरी और दहेज में दिए गए सभी सामान की रिकवरी भी नहीं हुई है। ससुरालजनों ने धोखाधड़ी के तहत वंदना का गर्भपात और नसबंदी का ऑपरेशन करवाया है, उन सभी के खिलाफ मुकदमा लिखकर कार्रवाई की जाए, बच्चों की कस्टडी उन्हें दी जाए। बच्चों के भविष्य के लिए उनके नाम जमीन या जमीन की गिफ्ट डीड कराई जाए। गांव लालपुर में वंदना के पति के मौसी के लड़के नटवर के द्वारा वंदना पर सास की हत्या का झूठा आरोप लगाने की एवज में मुकदमा लिखकर कार्रवाई की जाए, ज्ञापन में ज्योत्सना को उसी के घर में रखने और उसके मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की भी मांग की गई है। ज्ञापन में पीड़ित महिलाओं ने कहा है कि इसके लिए तीन दिन का समय है, अगर किसी कारण कार्रवाई नहीं हुई तो हम तीन दिन बाद फिर मंदिर में धरने पर बैठेंगे। पुलिस का कहना है कि ज्ञापन मिल गया है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

रामकृष्ण संकीर्तन मंडल का वार्षिक चुनाव 13 को

यूनिक समय, कोसीकलां। श्री रामकृष्ण संकीर्तन मंडल कोसीकलां के वार्षिक चुनाव की तिथि घोषित कर दी गई है। मंडल के मंत्री कन्हैया पालीवाल ने बताया कि मंडल का वार्षिक चुनाव (सत्र 2026–27) 13 सितंबर को शाम सात बजे होगा। चुनाव श्री सतसंग भवन, ब्राह्मणपुरी, तालाबशाही के निकट होगा। उन्होंने सभी सदस्यों से चुनाव में समय पर पहुंचने की अपील की है।